राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 15, अंक 90 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, मंगलवार 10 फरवरी 2026 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

शादी के कार्ड बांटने निकले पिता-पुत्र समेत 3 की दर्दनाक मौत

- बस्तर की संस्कृति को नए प्राण देने का कार्य कर रही छत्तीसगढ़ सरकार
- बस्तर पंडुम के विजेताओं को किया गया सम्मानित

रीवा। मध्यप्रदेश के रीवा जिले में शनिवार शाम एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया है, जिसने खुशियों वाले घर को मातम में बदल दिया। यहाँ एक तेज रफ्तार लग्जरी ऑडी कार ने बाइक सवारों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि बाइक पर सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, मृतकों में पिता-पुत्र शामिल हैं, जो घर में होने वाली शादी के आमंत्रण पत्र बांटने निकले थे। यह घटना और भी ज्यादा दुखद इसलिए है क्योंकि पीड़ित परिवार में शादी की तैयारियां चल रही थीं। रायपुर कर्चुलियान थाना प्रभारी विजय सिंह ने बताया कि मृतकों की पहचान रीवा जिले के चचाई निवासी भागवत विश्वकर्मा और उनके छोटे बेटे राहुल के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, भागवत के बड़े बेटे की शादी इसी महीने 24 फरवरी को तय थी। वे अपने छोटे बेटे और एक अन्य रिश्तेदार के साथ बाइक पर सवार होकर रिश्तेदारों को शादी का न्यौता देने जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही काल ने उन्हें अपना ग्रास बना लिया।

बच्चियों के पिता ने की थीं तीन शादियां, दो बताकर कर रहा था गुमराह

गाजियाबाद। गाजियाबाद में तीन बहनों निशिका, प्राची और पाखी की आत्महत्या के मामले में रोज नई परतें खुल रही हैं। पुलिस जांच में अब सामने आया है कि किशोरियों के पिता चेतन कुमार ने पिछले 16 वर्षों में दो नहीं बल्कि तीन शादियां की थीं। जांच के दौरान पुलिस को इससे संबंधित तीन मैरिज सर्टिफिकेट भी मिले हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, चेतन कुमार ने अपने शुरुआती बयानों में तीन शादियों की जानकारी छिपाई थी। जांच में पता चला है कि चेतन ने वर्ष 2010 में सुजाता से पहली शादी की थी, इसके बाद वर्ष 2013 में उसकी बहन हिना से विवाह किया और वर्ष 2021 में सीलमपुर निवासी टीना से कोर्ट मैरिज की। यह भी सामने आया है कि तीसरी पत्नी टीना बच्चों को कोरियाई संस्कृति और मोबाइल की लत से दूर कर दोबारा पढ़ाई की ओर ले जाने का प्रयास कर रही थी। उसी के कहने पर चेतन ने करीब एक माह पहले तीनों बेटियों का ट्यूशन लगवाया था। पुलिस के अनुसार, चेतन ने अपने चरित्र को लेकर सवालों से बचने के लिए तीसरी शादी की बात छिपाई थी।

नाटक कांग्रेस महात्मा गांधी को राम से अलग करने की कोशिश कर रही

गदग। पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा सांसद बसवराज बोम्मई ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर महात्मा गांधी को भगवान राम से अलग करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने जी राम जी योजना के फायदों को गिनाने के लिए एक बड़े जागरूकता अभियान का आह्वान किया। इसके साथ ही, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) में कथित भ्रष्टाचार के भी आरोप लगाए। बसवराज बोम्मई ने शनिवार को एक कार्यक्रम में कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्र की आत्मा हैं।

पांच साल में विकसित बनेगा बस्तर

भारत की संस्कृति का आभूषण है बस्तर-केंद्रीय गृहमंत्री शाह

रायपुर/ संवाददाता

केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि बस्तर भारत की संस्कृति का आभूषण है। बस्तर पण्डुम के माध्यम से यहां की संस्कृति और गौरवशाली परंपरा को छत्तीसगढ़ सरकार ने नए प्राण देने का काम किया। बस्तर पंडुम 2026 के सभी विजेताओं को केंद्रीय गृहमंत्री श्री शाह और मुख्यमंत्री श्री साय ने सम्मानित किया। केंद्रीय गृहमंत्री ने बताया कि इसमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले लोक कलाकारों को राजधानी दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में आमंत्रित किया जाएगा, जहां उन्हें अपनी कला का प्रदर्शन करने और सहभोज करने का अवसर भी मिलेगा। केंद्रीय गृहमंत्री श्री शाह ने जनजातीय कला एवं संस्कृति का संरक्षण और संवर्धन तथा जनजातीय प्रकृति व परंपरा का उत्सव बस्तर पण्डुम के तीन दिवसीय संभाग स्तरीय आयोजन के समापन अवसर पर आज जगदलपुर के लालबाग मैदान में आयोजित समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बस्तर संभाग के 07 जिले के 32 जनपद पंचायतों और 1885 ग्राम पंचायतों के 53 हजार से अधिक

लोक कलाकारों ने 12 विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इन्हीं लोक संस्कृति को आगे बढ़ाने का कार्य बस्तर पण्डुम 2026 के माध्यम से राज्य की सरकार द्वारा किया जा रहा है। श्री शाह ने कहा कि बस्तर जैसी संस्कृति विश्व के किसी देश में नहीं है और इसे प्रभु श्री राम के समय से संजोकर यहां के लोगों ने अक्षुण्ण बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश के 700 से अधिक जनजातियों की आदिवासी संस्कृति और पारंपरिक विरासतों को पुनर्जीवित करने धरती आबा योजना और पीएम जनमन योजना जैसी अनेक योजनाएं लागू की। श्री शाह ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि हमारी लड़ाई किसी से नहीं बल्कि यहां की भोली-भाली आदिवासी जनता को सुरक्षा देना है। माओवाद उन्मूलन की समय सीमा अभी भी वही है। जवानों के अदम्य साहस और बहादुरी से 31 मार्च 2026 तक हो माओवाद को घुटने टेकने पड़ेंगे। उन्होंने प्रदेश में संचालित की जा रही नक्सल पुनर्वास नीति की सराहना करते हुए कहा कि पुनर्वास केंद्रों में उन्हें रोजगारमूलक और सृजनात्मक गतिविधियों से भी जोड़ा जा रहा है। केन्द्रीय गृहमंत्री ने कहा कि नियद नेल्ला नार योजना के तहत प्रदेश सरकार लगातार माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में रोडमैप तैयार कर सड़क, पुल पुलिया, मोबाईल टॉवर स्थापित करने के साथ-साथ राशन वितरण, शुद्ध पेयजल, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड बना रही है।

बस्तर तरक्की की एक नई सुबह देखने को मिल रही है

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर की सुंदर धरती लंबे समय तक नक्सलवाद की पीड़ा से गुजरी है। गौर, माड़िया, मुरिया, भतरा, धुरवा, गोंड जैसे विभिन्न नृत्य की लय धीमी पड़ गई थी, मांदर की थाप खामोश हो गई थी, लेकिन आज बस्तर बदल रहा है। यहां तरक्की की एक नई सुबह देखने को मिल रही है। श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में केंद्र और राज्य सरकार मिलकर नक्सलवाद के खिलाफनिर्णायक लड़ाई लड़ रही है और मार्च 2026 तक नक्सलवाद को जड़ से खत्म करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे पुलिस और सुरक्षा बलों के जवानों ने घने जंगलों में, विपरीत परिस्थितियों में, अपनी जान की परवाह किए बिना नक्सलवाद पर कड़ा प्रहार कर रहे हैं। नियद नेल्ला नार - (आपका अच्छा गांव) योजना के माध्यम से सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाएं गांव में पहुंचाई हैं।

शरद की बारामती में बिगड़ी तबीयत

सांस लेने में तकलीफ अस्पताल में कराए भर्ती

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और एनसीपी प्रमुख व वयोवृद्ध नेता शरद पवार की सेहत अचानक खराब होने के बाद उन्हें बारामती से पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। शरद पवार को खांसी और सांस लेने में परेशानी जैसी शिकायतें हैं। यह जानकारी उनके कार्यालय की ओर से दी गई है। हालांकि अभी उनकी सेहत की गंभीरता को लेकर कोई आधिकारिक विवरण नहीं आया है। डॉक्टर उनकी स्थिति का पूरा निरीक्षण कर रहे हैं और जरूरी मेडिकल जांचें की जा रही हैं। बता दें कि शरद पवार महाराष्ट्र और भारत की राजनीति के सबसे प्रभावशाली और अनुभवी नेताओं में से एक हैं। वे राष्ट्रीय कांग्रेस से अलग होकर 1999 में राष्ट्रीय जनता दल (एनसीपी) के संस्थापक भी रहे। पवार ने महाराष्ट्र में लंबे समय तक सक्रिय राजनीति की है और कई बार राज्य के मुख्यमंत्री रह चुके हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ज़ाकिर हुसैन को उनकी जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की।

अंधेरे में डूबेगा बांग्लादेश?

अडाणी ने बिजली सप्लाई रोकने की दी चेतावनी...

नई दिल्ली। भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश में 12 फरवरी को आम चुनाव होने जा रहा है। इस बीच, अडानी ग्रुप ने बिजली के बकाए का भुगतान करने के लिए एक लेटर भेजा है। बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड को बकाए बिल का भुगतान करने के साथ ही साथ अडानी ग्रुप ने यह चेतावनी भी दी है कि अगर बकाया पेमेंट नहीं किया गया, तो बिजली की सप्लाई खतरे में पड़ सकती है। बांग्लादेश के मशहूर अखबार प्रथम आलो की रिपोर्ट के मुताबिक, 29 जनवरी को अडानी पावर लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट अविनाश अनुराग ने बकाए पेमेंट के भुगतान को लेकर चेयरमैन को एक लेटर भेजा था। अडानी पावर लिमिटेड द्वार भेजे गए लेटर में कहा गया है कि पावर प्लांट के लगातार रेगुलर ऑपरेशन को सुनिश्चित करने के लिए तुरंत 112.7 मिलियन डॉलर (लगभग 1,000 करोड़ रुपये) का पेमेंट करना जरूरी है।

राहुल गांधी को न बोलने देने का आरोप

ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी में विपक्ष...

नई दिल्ली/ एंजेसी

संसद के बजट सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच चल रहा गतिरोध अब एक बड़े टकराव में बदल गया है। विपक्षी दलों ने एकजुट होकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफअविश्वास प्रस्ताव लाने की योजना बनाई है। सूत्रों के अनुसार, विपक्षी दल इस बात से नाराज हैं कि उन्हें, विशेषकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को, सदन में बोलने का पर्याप्त अवसर नहीं दिया जा रहा है। संसद के गलियारों से बड़ी खबर आ रही है कि कांग्रेस सहित कई विपक्षी दल लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफअविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए लामबंद हो गए हैं। विपक्षी दलों के बीच इस प्रस्ताव को लेकर सहमति बन चुकी है और अब इस पर सदस्यों के हस्ताक्षर होने बाकी हैं। हालांकि, अभी तक किसी भी पार्टी ने आधिकारिक तौर पर सार्वजनिक रूप से इसकी घोषणा नहीं की है, लेकिन सदन के भीतर विपक्षी सांसदों का आक्रामक रुख इस ओर स्पष्ट इशारा कर रहा है। सोमवार को बजट सत्र के नौवें दिन की शुरुआत बेहद हंगामेदार रही। सदन की बैठक शुरू होते ही स्पीकर ओम बिरला ने सबसे पहले अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम को बधाई दी, जिसका सभी सदस्यों ने मेजें थपथपाकर स्वागत किया। लेकिन जैसे ही प्रश्नकाल शुरू हुआ, कांग्रेस के सदस्य नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने देने की अनुमति मांगने लगे। हंगामा इतना बढ़ गया कि सदन की कार्यवाही शुरू होने के मात्र पांच मिनट बाद ही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी।

कोटा में बड़ा हादसा : निर्माणाधीन बिल्डिंग गिरने से छात्र समेत 2 की मौत, मलबे में 40 लोग दबे

कोटा। शिक्षा नगरी कोटा में शनिवार की रात एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया। शहर के जवाहर नगर थाना क्षेत्र स्थित इंदिरा विहार में एक दो मंजिला निर्माणाधीन इमारत अचानक भरभराकर गिर गई। इस हादसे में मलबे के नीचे दबने से एक कोचिंग छात्र समेत दो लोगों की मौत हो गई है। घटना के बाद तुरंत चलाए गए रेस्क्यू ऑपरेशन को अब पूरा कर लिया गया है और मलबे में दबे सभी लोगों को बाहर निकाल लिया गया है। हादसे में कुल 13 लोग घायल हुए थे, जिनमें से 5 को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

विपक्ष के भारी हंगामे के बीच लोकसभा ठप

मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए कार्यवाही स्थगित किया....

नई दिल्ली/ एंजेसी

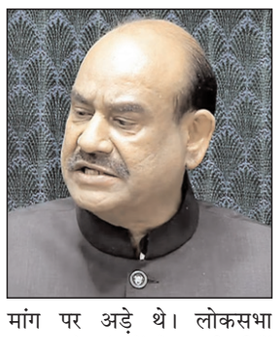

संसद के मौजूदा सत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच चल रहा गतिरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही एक बार फिर भारी हंगामे की भेंट चढ़ गई, जिसके कारण अध्यक्ष को सदन की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। सोमवार सुबह जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई, विपक्षी सांसद विभिन्न मुद्दों को लेकर नारेबाजी करते हुए सदन के बीचों-बीच (वेल) में आ गए। विपक्षी दल हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों और ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा की मांग पर अड़े थे। लोकसभा अध्यक्ष ने सांसदों से अपनी सीटों पर लौटने और प्रश्नकाल चलने देने की बार-बार अपील की, लेकिन शोर-शराबा बढ़ता ही गया। सदन में अव्यवस्था को देखते हुए अध्यक्ष ने कहा कि सदन चर्चा और संवाद के लिए है, नारेबाजी के लिए नहीं। देश की जनता चाहती है कि उनके मुद्दों पर सदन में बात हो। हालांकि, विपक्षी सदस्यों के कड़े तेवर और लगातार होती नारेबाजी के कारण सदन की गरिमा को बनाए रखना मुश्किल हो गया। इसके बाद कार्यवाही को पहले अल्पकाल के लिए और फिर अंतत: पूरे दिन के लिए स्थगित कर दिया गया।लगातार हो रहे हंगामे के कारण कई महत्वपूर्ण विधेयकों और जनहित के मुद्दों पर होने वाली चर्चा बीच में ही लटक गई है। मंगलवार को सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होगी, जहाँ उम्मीद जताई जा रही है कि दोनों पक्षों के बीच सहमति बन सके और कामकाज सुचारू रूप से चल सके।

परीक्षा पे चर्चा के दूसरे सत्र

पीएम मोदी ने छात्रों को दिए गुरुमंत्र,कहा-सीखना एक सफर

नयी दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि विद्यार्थियों को अपने आप को प्रौद्योगिकी का गुलाम नहीं बनने देना चाहिए, बल्कि इसका उपयोग अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए करना चाहिए। मोदी ने 'परीक्षा पे चर्चा' के दूसरी कड़ी में कहा कि मोबाइल फोन उन कुछ बच्चों के मालिक बन गए हैं, जो उनके या टेलीविजन स्क्रीन के बिना खाना भी नहीं खा सकते। मोदी ने कोयंबटूर, रायपुर, गुवाहाटी और गुजरात में विद्यार्थियों से हुई बातचीत में कहा, इसका मतलब है कि आप मोबाइल के गुलाम बन गए हैं। आपको यह दृढ़ संकल्प लेना होगा कि आप अपने आप को प्रौद्योगिकी का गुलाम नहीं बनने देंगे। प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों से न डरें, बल्कि उनका उपयोग अपने कौशल को निखारने और अपनी क्षमता को बढ़ाने के लिए करें। उन्होंने कहा, हमें एआई या मोबाइल को सर्वोपरि बनाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए; कुछ बच्चे स्मार्टफोन देखे बिना खाना नहीं खाते। हम एआई का कुशलतापूर्वक उपयोग कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए पिछले प्रश्न पत्रों का अभ्यास करने और पर्याप्त नींद लेने का भी आग्रह किया।मोदी ने कहा, परीक्षाओं की अच्छी तैयारी करने के बाद आपको कभी तनाव महसूस नहीं होगा। रात में अच्छी नींद लेने से आप दिन भर खुश रहेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह देखकर उन्हें प्रसन्नता हुई कि देश के 10वीं और 12वीं कक्षा के छात्र भी विकसित भारत 2047

के सपने को अपने मन में संजोए हुए हैं।उन्होंने कहा, यह मेरे लिए अत्यंत प्रसन्नता का विषय है। हमें विकसित देशों की आदतों को अपनाना चाहिए —हमें लाल बत्ती पर इंजन बंद करना चाहिए, भोजन नहीं छोड़ना चाहिए और भोजन की बर्बादी कम करनी चाहिएज अनुशासन हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण हैज। प्रधानमंत्री ने अपने छात्र जीवन में अपने शिक्षकों की भूमिका और स्वस्थ रहने के लिए व्यायाम पर उनके जोर को याद किया। उन्होंने कहा, अगर आप किसी भी महान व्यक्ति से पूछेंगे, तो वे कहेंगे कि उनकी मां और शिक्षकों ने उनके जीवन को आकार देने में मदद की। नेतृत्व के विषय पर प्रधानमंत्री ने कहा कि बेहतर संवाद करने की क्षमता एक महत्वपूर्ण गुण है। प्रधानमंत्री ने कहा, नेता बनने के लिए पहल करने की मानसिकता विकसित करें। नेतृत्व का मतलब सिर्फचुनाव लड़ना नहीं है। नेतृत्व की एक बड़ी खूबी कम से कम दस लोगों को अपने विचार स्पष्ट रूप से संप्रेषित करने की क्षमता है।परीक्षा पे चर्चा के नौवें संस्करण की पहली कड़ी पिछले सप्ताह प्रसारित हुई थी, जिसमें प्रधानमंत्री ने छात्रों को सलाह दी थी कि वे सबकी सलाह सुनें, लेकिन जीवनशैली में बदलाव तभी करें जब वे चाहें। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा को बोझ नहीं समझना चाहिए और उन्हें केवल अंकों पर ही नहीं, बल्कि जीवन को बेहतर बनाने पर भी ध्यान देना चाहिए।

एआई से डरने की जरूरत नहीं

एक छात्र ने कहा कि एआई का इस्तेमाल बढ़ने से डर लग रहा है. पीएम ने इस विषय पर ज्ञान देते हुए कहा कि किसी चीज से डरना नहीं चाहिए, ध्यान रखें कि हमें उसका गुलाम नहीं बनना है। उन्होंने छात्रों को खुद ही निर्णायक बनने की सलाह दी। पीएम ने कहा कि कुछ बच्चों के लिए मोबाइल उनका मालिक बन गया है। एआई हमारे कामों में वैल्यू एडिशन करे, बस उसका इतना ही इस्तेमाल करें। यह कार्यक्रम भारत के सबसे बड़े शिक्षा संबंधी कार्यक्रमों में से एक बन गया है। इसका मकसद छात्रों के परीक्षा के तनाव को कम करना है। इसमें अभिभावक और शिक्षक भी शामिल हो सकते हैं। अधिकारियों ने कहा है कि परीक्षा पे चर्चा कोई प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि यह एक मुक्त मंच है, जहां सीखने, दबाव और मानसिक मजबूती के बारे में खुलकर बातचीत की जा सकती है।

संक्षिप्त समाचार

अकलतरा के जर्वे मंडई-मेला में शामिल हुए शमसूल आलम

राजनांदगांव। अकलतरा के जर्वे ग्राम में आयोजित मंड़ई-मेला सोमवार रात को सजीव उत्साह से भरा हुआ था। इस आयोजन में अजीत जोगी युवा मोर्चा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष शमसूल आलम विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ पूर्व भाजपा विधानसभा प्रत्याशी अकलतरा दिनेश सिंह, कांग्रेस नेता कन्हैया राठौर, कमलकांत यादव, धर्मेंद्र कुर्रे, अजीत जोगी युवा मोर्चा विधानसभा अध्यक्ष अंकू पांडे, गोलू खान, आयुष पाण्डेयए और रोहन केवर्त जैसे अन्य प्रमुख लोग भी उपस्थित रहे। इस दौरान शमसूल आलम ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, अकलतरा के जर्वे में जब भी आता हूं, यहाँ के लोगों से जो स्नेह और प्यार मिलता है, वह मेरे लिए किसी भी पुरस्कार से बढ़कर है। इस स्नेह और आशीर्वाद के लिए मैं सभी का दिल से आभारी हूं और यह प्रेम जीवनभर मेरी यादों में रहेगा। उनके संबोधन के बादए कार्यक्रम में आयोजित डांस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपनी कला का अद्भुत प्रदर्शन किया। डांस के दौरान युवाओं की उत्साही और जोशपूर्ण प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मेला में अकलतरा के स्थानीय लोग और आसपास के क्षेत्र से आए लोग भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस आयोजन ने क्षेत्रीय एकता और सांस्कृतिक समृद्धि का संदेश दिया, साथ ही स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी कला दिखाने का एक बेहतरीन मंच प्रदान किया।

शिक्षा को सेवा के रूप में नहीं, बल्कि एक वसूली के रूप में देख रही है भाजपा सरकार : अब्दुल कलाम खान

माशिमं द्वारा परीक्षा शुल्क में बढ़ोतरी पर कांग्रेस का भाजपा सरकार पर हमला

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) द्वारा 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा शुल्क में की गई भारी बढ़ोतरी को लेकर कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस के राष्ट्रीय कोआर्डिनेटर और अल्पसंख्यक विभाग के राजस्थान -ओडिशा प्रदेश प्रभारी अब्दुल कलाम खान ने इस बढ़ोतरी को छात्र-विरोधी करार दिया और कहा कि भाजपा सरकार शिक्षा को सेवा के रूप में नहीं, बल्कि एक वसूली के रूप में देख रही है।

कांग्रेस नेता ने कहा, पांच साल बाद एक साथ परीक्षा शुल्क, आवेदन शुल्क, स्वाध्यायी छात्रों के पंजीयन और अनुमति शुल्क सहित करीब 22 मदों में बढ़ोतरी की गई है। पहले जहां बोर्ड परीक्षा, अंकसूची और प्रायोगिक शुल्क मिलाकर 460 रुपये लिए जाते थे, अब इसे बढ़ाकर 800 रुपये कर दिया गया है। आवेदन शुल्क 80 रुपये से बढ़ाकर 150 रुपये कर दिया गया है।

अब्दुल कलाम खान ने इस बढ़ोतरी को प्रदेश के किसानों, मजदूरों और मध्यम वर्ग के लिए एक बड़ा वित्तीय बोझ बताते हुए कहा, यह बढ़ोतरी ऐसे समय में की गई है जब प्रदेश का किसान, मजदूर और मध्यम वर्ग पहले से महंगाई की मार झेल रहा है।

उन्होंने शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव पर निशाना साधते हुए कहा, मंत्री जी को छात्रों और उनके अभिभावकों की समस्याएं नजर नहीं आ रही हैं या फिर वे जानबूझकर शिक्षा को केवल अमीरों तक सीमित करना चाहते हैं।

स्वाध्यायी छात्रों के पंजीयन शुल्क में भी बढ़ोतरी का जिक्र करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, स्वाध्यायी छात्रों के पंजीयन शुल्क को 560 रुपये से बढ़ाकर 800 रुपये और राज्य से बाहर के छात्रों के लिए इसे 1540 रुपये से बढ़ाकर 2000 रुपये कर दिया गया है। यह दर्शाता है कि शिक्षा मंत्री पूरी तरह असंवेदनशील हो गए हैं।

अब्दुल कलाम खान ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि वह मंचों से बेटा-बेटी पढ़ाओ, और नई शिक्षा नीति के नारे तो लगाती है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि परीक्षा शुल्क बढ़ाकर हजारों गरीब छात्रों को पढ़ाई छोड़ने के लिए मजबूर किया जा रहा है। यह फैसला सीधे-सीधे ग्रामीण अंचल, किसान परिवारों और मजदूर वर्ग के बच्चों के सपनों पर हमला है।

कांग्रेस नेता ने सरकार से मांग की कि माशिमं द्वारा बढ़ाए गए सभी शुल्कों को तत्काल वापस लिया जाए और 2021 से पहले की दरों को ही लागू किया जाए, ताकि विद्यार्थियों के परिवारों पर अतिरिक्त बोझ न पड़े।

अंतर्राज्यीय वनोपज जाँचनाका टेमरी में अवैध सागौन परिवहन करते हुए महिंद्रा पिकअप वाहन जब्त

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुंद वनमंडल में अवैध वनोपज परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु चलाए जा रहे सघन गश्ती अभियान के अंतर्गत, वनमंडलाधिकारी श्री मयंक पांडेय के कुशल मार्गदर्शन एवं उपवनमंडलाधिकारी श्री गोविंद सिंह के नेतृत्व में आज दिनांक 09 फरवरी 2026 को एक महत्वपूर्ण कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

इस कार्रवाई के दौरान महासमुंद वनमंडल के बागबहारा परिक्षेत्र अंतर्गत उड़ीसा सीमा पर स्थित अंतर्राज्यीय वनोपज जाँचनाका टेमरी में जाँच के दौरान अवैध रूप से सागौन का परिवहन करते हुए एक महिंद्रा पिकअप वाहन क्रमांक RJ 19 H 5254 (राजस्थान पंजीकृत) को रोका गया।

वाहन चालक द्वारा प्रस्तुत ट्रांजिट पास आम की लकड़ी के परिवहन हेतु जारी पाया गया, जो कि फॉरेस्ट ऑफिसर, पेंड्रूथी सेक्शन, विशाखापट्टनम रेंज द्वारा निर्गत था। ट्रांजिट पास के अनुसार वाहन में आम चिरान 300 नग (3.12 घनमीटर) परिवहन किया जाना दर्शाया गया था।

संदेह के आधार पर वाहन की गहन जाँच करने पर यह पाया गया कि आम चिरान के नीचे 1.85 घनमीटर सागौन चिरान को योजनाबद्ध रूप से छिपाकर अवैध रूप से परिवहन किया जा रहा था। यह कृत्य भारतीय वन अधिनियम, 1927 के प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन है। उक्त अवैध सागौन चिरान सहित वाहन को अंतर्राज्यीय वनोपज जाँचनाका टेमरी में विधिवत जब्त किया गया। इस संबंध में वन अपराध क्रमांक 22663/05 दिनांक 09.02.2026 पंजीबद्ध कर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ की गई है। अवैध सागौन परिवहन में प्रयुक्त वाहन को राजसात किए जाने की प्रक्रिया जारी है।

इस सफल कार्रवाई में बागबहारा परिक्षेत्र अधिकारी श्री लोकनाथ ध्रुव, डिप्टी रेंजर श्री दुलार सिन्हा, फॉरेस्ट गार्ड श्री खेमराज साहू सहित जाँचनाका टेमरी में पदस्थ कर्मचारियों की सतर्कता एवं तत्परता सराहनीय रही। वन विभाग द्वारा अवैध वनोपज परिवहन के विरुद्ध भविष्य में भी कठोर एवं सतत कार्रवाई जारी रखी जाएगी।

परीक्षा से पूर्व कलेक्टर श्री लंगेह ने विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों को दिए प्रेरक संदेश

बच्चों को भावनात्मक सहयोग, विश्वास एवं सकारात्मक वातावरण दें - कलेक्टर श्री लंगेह

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुन्द जिले में कक्षा दसवीं एवं बारहवीं की बोर्ड परीक्षा 20 फरवरी 2026 से प्रारंभ होने जा रहा हैं। इस अवसर पर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों के लिए प्रेरक संदेश जारी किया है।

कलेक्टर श्री लंगेह ने कहा है कि बोर्ड परीक्षा विद्यार्थियों के जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण है, जिसे संतुलन, सकारात्मक सोच एवं आत्मविश्वास के साथ पार करना आवश्यक है। यह परीक्षा विद्यार्थियों की मेहनत, अभ्यास एवं अनुशासन का मूल्यांकन करने का अवसर है, जीवन का अंतिम निर्णय नहीं है। कलेक्टर ने विद्यार्थियों से शांत मन, धैर्य एवं आत्मविश्वास बनाए रखने की अपील की है। परीक्षा के दौरान समय पर विश्राम करने, संतुलित भोजन करने, अध्ययन किए गए विषयों का पुनरावलोकन करने तथा परीक्षा कक्ष में प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर उत्तर लिखने की सलाह दी गई है। साथ ही, दूसरों से तुलना कर तनावग्रस्त होने एवं अंतिम समय में नया विषय पढ़ने से बचने का आग्रह किया गया है।

कलेक्टर श्री लंगेह ने अभिभावकों से कहा है कि इस समय बच्चों को भावनात्मक सहयोग, विश्वास एवं सकारात्मक वातावरण की आवश्यकता होती है। उन्होंने घर में शांत एवं सहयोगपूर्ण वातावरण बनाए रखने, स्नेहपूर्वक अनुशासन में सहयोग करने तथा परिणाम को लेकर अनावश्यक दबाव न बनाने की अपील की गई है। शिक्षकों से अपेक्षा की गई है कि वे विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए आत्मबल बढ़ाने में सहयोग करें। विशेष रूप से कमजोर विद्यार्थियों को अतिरिक्त मार्गदर्शन एवं सकारात्मक प्रतिक्रिया देने तथा भयमुक्त वातावरण बनाए रखने पर जोर दिया गया है।

कलेक्टर श्री लंगेह ने कहा है कि परीक्षा अवधि में विद्यार्थियों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ, मार्गदर्शन एवं सहयोग सुनिश्चित किए जाएँगे। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने परिश्रम पर भरोसा रखते हुए तनाव मुक्त होकर परीक्षा में सम्मिलित होने की अपील की है तथा सभी को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

अजीत जोगी युवा मोर्चा के शमसूल आलम ने जांजगीर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, 15 दिन में कार्यवाही की मांग

राजनांदगांव। अजीत जोगी युवा मोर्चा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष शमसूल आलम ने आज अपने समर्थकों के साथ जांजगीर चांपा के कलेक्टर को जिले और ग्राम की मूलभूत समस्याओं का समाधान करने के लिए ज्ञापन सौंपा। इस दौरान जोगी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गंभीर समस्याओं को लेकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया।

ज्ञापन में शमसूल आलम ने विशेष रूप से अकलतरा के ग्राम जर्वे में डैम निर्माण के मुद्दे को उठाया। उन्होंने कहा कि ष्पूर्ववर्ती सरकार में डैम के नाम पर पैसे पास हो चुके थे, लेकिन आज तक इसका काम शुरू नहीं किया गया। इससे ग्रामीणों में आक्रोश है, क्योंकि इसे कृषि कार्यों में सहायक बनाया गया था। लेकिन सरकार की नीयत इससे बिल्कुल विपरीत नजर आ रही है, जो कि प्रशासन की मानसिकता को दर्शाता है। शमसूल आलम ने इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग में पदस्थ डॉक्टरों के खिलाफ भी शिकायत की, आरोप लगाते हुए कहा कि शासकीय अस्पतालों में डॉक्टरों की उपस्थिति कम और निजी क्लीनिकों में ज्यादा देखी जाती है, जिससे अस्पतालों की व्यवस्था बुरी तरह से प्रभावित हो रही है। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की बिगड़ती स्थिति की भी जानकारी दी।

ज्ञापन में आबकारी विभाग के सुपरवाइजर और लोकेशन ऑफिसर के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग की गई, क्योंकि इनकी लापरवाही से शराब के ओवर रेटिंग और कोचियागिरी में इजाफा हुआ है। इसके साथ ही महतारी वंदन योजना के तहत अयोग्य लोगों को पैसे मिलने और अवैध परिवहन व खनन के मामलों पर रोक लगाने की भी अपील की गई।

शमसूल आलम ने प्रशासन को 15 दिन का अल्टीमेटम दिया और कहा कि यदि इन मुद्दों पर कार्यवाही नहीं होती, तो जोगी कांग्रेस उग्र प्रदर्शन करेगी। ज्ञापन सौंपने के बाद अपार कलेक्टर ने जल्द कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर शमसूल आलम के साथ जोगी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलकांत यादव, धर्मेंद्र कुर्रे, युवा मोर्चा विधानसभा अध्यक्ष अंकू पांडे, किशोर दास, नवाज कुरैशी, शेर अली, लाला केवर्त, ननकी गुड्डू, रोहन केवर्त, सतीश दास, गुरु महाराज समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और ग्रामवासी उपस्थित रहे।

स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन, मस्तिष्क और विचारों का विकास होता है-विक्की

पिथौरा(समय दर्शन)। विकासखण्ड मुख्यालय पिथौरा के शहीद भगत सिंह खेल मैदान में आयोजित ड्यूस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता के तीसरे दिन बतौर मुख्य अतिथि जिला महासमुन्द भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व महामंत्री विक्की सलूजा उपस्थित होकर खिलाडियों का परिचय प्राप्त किया एवं टास करवाकर मैच का शुभारंभ किया।

इस दौरान उन्होंने ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि,

स्वस्थ और तंदुरुस्त शरीर के लिए खेल एक सशक्त माध्यम है। खेल,कसरत,व्यायाम एवं योग प्राणायाम से शरीर का काया कल्प होता है। इसी लिए कहा जाता है सबसे पहले निरोगी काया। अर्थात शरीर को रोग मुक्त रखने के लिए जीवन में खेल का बहुत महत्व है।

खेल ,मानसिक और बौद्धिक क्षमता के विकास तथा सकारात्मक सोच का आधार बनता है, जिससे जीवन के हर क्षेत्र में प्रगति होती है।

मानसिक विकास से मस्तिष्क तेज, सजग और शांत रहता है।

भावनात्मक विकास से व्यक्ति भावनात्मक रूप से स्थिर और संतुलित रहता है।

बौद्धिक क्षमता के विकास अर्थात सोचने, समझने और नई खोज करने की सृजन शक्ति का विकास होता है।

सामाजिक विकास: स्वस्थ व्यक्ति समाज में सक्रिय और रचनात्मक कार्यशैली से सकारात्मक भूमिका निभाता है।

ऊर्जा और कार्यक्षमता: आलस्य दूर होता है और शरीर में काम करने की क्षमता का बेहतर विकास होता है।

इस दौरान साथ में भाजयुमो प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य दुर्गेश सिन्हा, भाजपा अल्प संख्यक मोर्चा मण्डल अध्यक्ष अनूप टाण्डी,युवा नेता अंशुल तिवारी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

सरदा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड (एसईएमएल) का वित्त वर्ष 26 के पहले नौ महीनों में शुद्ध लाभ 59 प्रतिशत बढ़ा, नए पीपीए से राजस्व स्थिरता मजबूत

सरदा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड (एसईएमएल) ने वित्त वर्ष 2026 के पहले नौ महीनों में शानदार वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी का शुद्ध लाभ (पीएटी) साल-दर-साल आधार पर 59त्न बढ़ा, जिसे उसकी एकीकृत ऊर्जा और धातु कारोबार में मजबूत परिचालन प्रदर्शन का समर्थन मिला। कंपनी की समेकित आय वित्त वर्ष 26 के 9 महीनों में 32त्न की वृद्धि के साथ 4,669 करोड़ रुपये रही, जबकि एडिबटा 53त्न बढ़कर 1,672 करोड़ रुपये हो गया। यह वृद्धि उच्च मार्जिन, बढ़े हुए बिजली उत्पादन और धातु कारोबार में स्थिर वॉल्यूम के कारण दर्ज की गई। मौसमी सुस्ती और नियोजित शटडाउन के बावजूद वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में कंपनी का प्रदर्शन स्थिर रहा। इस तिमाही में समेकित एडिबटा साल-दर-साल 7त्न बढ़कर 395 करोड़ रुपये रहा, जबकि कैश प्रॉफिट 7त्न बढ़कर 338 करोड़ रुपये हो गया। पहली और दूसरी तिमाही में रिकॉर्ड राजस्व और लाभप्रदता के बाद तीसरी तिमाही का प्रदर्शन मजबूत गति को आगे बढ़ाता है, जिसमें ऊर्जा खंड ने कुल लाभप्रदता में लगभग दो-तिहाई योगदान दिया। तिमाही के दौरान एसईएमएल ने दो नए पावर परचेज एग्रीमेंट (पीपीए) पर हस्ताक्षर किए, जिससे मध्यम अवधि की आय में स्थिरता और स्पष्टता बढ़ने की उम्मीद है। ये नए पीपीए कंपनी के लिए अनुमानित नकदी प्रवाह को सहारा देंगे और ऊर्जा पोर्टफोलियो को और मजबूत करेंगे। कंपनी ने लागत अनुकूलन के उद्देश्य से अपनी स्वच्छ ऊर्जा रणनीति के तहत वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में अपने कैप्टिव सोलर प्रोजेक्ट पर भी काम जारी रखा। खनन परिचालन से स्थिर उत्पादन प्राप्त हुआ, जिससे कच्चे माल की आपूर्ति सुरक्षित रही, जबकि धातु और मिश्र धातु (एलॉय) कारोबार ने स्थिर कीमतों के माहौल में भी वॉल्यूम की मजबूती बनाए रखी। कंपनी के प्रबंध निदेशक पंकज सरदा ने बयान में कहा, दो नए पीपीए के जुड़ने से हमारे पोर्टफोलियो की स्थिरता और आय की दृश्यता और मजबूत हुई है।

शंकराचार्य कौन है ? यह तय करना सरकार का कार्य नहीं-धर्मेश महाराज

अग्रसेन भवन दुर्ग में कथावाचक धर्मेश महाराज के श्रीमुख से शिव महापुराण की कथा शुरु

दुर्ग। प्रसिद्ध कथावचक एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रवक्ता गौवत्स धर्मेश महाराज ने हाल ही में मौनी अमावस्या पर प्रयागराज में शाही स्नान के दौरान ज्योर्तिमठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद महाराज के साथ हुए दुर्व्यव्हार पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होने कहा है कि शंकराचार्य से दुर्व्यव्हार से पूरा हिन्दू जगत आहत हुआ है। ऐसा व्यवहार किसी भी शंकराचार्य या साधू-संतो के साथ नहीं होना चाहिए। शंकराचार्य कौन है या कौन नहीं है? यह तय करना सरकार का कार्य नहीं है। शंकराचार्य हो या साधू-संत वे सर्व कल्याणार्थ की भावना से कार्य करते है। उनके साथ ऐसा व्यवहार कतई बर्दाश्त योग्य नहीं है। यह बातें राजस्थान बीकानेर से दुर्ग पधारे प्रसिद्ध कथावाचक एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रवक्ता गौवत्स धर्मेश महाराज ने सोमवार को अग्रसेन भवन स्टेशन रोड दुर्ग में मीडिया से चर्चा में कही। धर्मेश महाराज यहां अधिवक्ता विजय सोनी एवं आसट परिवार दुर्ग द्वारा 9 फरवरी से 16 फरवरी तक आयोजित शिव महापुराण की कथा का श्रद्धालुओं को रसपान करवाएंगे। कथा का श्रद्धालू प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक श्रवण लाभ ले सकेंगे। शिव महापुराण कथा के दौरान महाशिवरात्रि पर्व का भी शुभ योग बन रहा है। महाशिवरात्रि के दिन 15फरवरी को धर्मेश महाराज द्वारा अधिवक्ता विजय सोनी के आदित्य नगर स्थित निवास में रात्रि चतुर्थ प्रहर की विशेष पूजन करवाई जाएगी। कथा के विश्राम पर अंतिम दिन 16 फरवरी को हवन पूजन एवं महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा। महापुराण कथा मे बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के जुटने के मद्देनजर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। मीडिया से चर्चा में एक सवाल के जवाब में प्रसिद्ध कथावाचक एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रवक्ता गौवत्स धर्मेश महाराज ने कहा कि श्री शिवाय नमस्तुभ्यं कोई मंत्र नही है। शिव महापुराण में ओम नम: शिवाय ही मूलमंत्र है। इस मंत्र के जाप से भक्तों का कल्याण होता है। कथावाचकों को शिव महापुराण कथा में ओम नम: शिवाय मंत्र का ही वाचन करना चाहिए। यदि कोई कथावाचक इस मंत्र के स्थान पर दूसरे मंत्र का वाचन करता है, तो वह धर्म के लिहाज से सही नहीं है। कथावाचकों को कथा में टोटके व श्रद्धालुओं को भ्रमित करने वाली बातों का सहारा नहीं लेना चाहिए। कथावाचकों वास्तविकता से जोड़ना चाहिए। मूल से हटेंगे तो निश्चय ही भटकाव की स्थिति पैदा होगी। धर्म में राजनीति के घूसपैठ के सवाल पर कथावाचक धर्मेश महाराज ने कहा कि राजनीति में धर्म होना चाहिए ना कि धर्म पर राजनीति। नीति को छोड़कर राज चलाओगे तो विवाद की स्थिति बनते रहेगी। इसलिए धर्म पहले सर्वोपरि होना चाहिए। उन्होने कहा कि हिन्दू धर्म से जुड़े रहेंगे तो कोई खतरा नहीं होगा, लेकिन वर्तमान में हावी पश्चात संस्कृति एवं अन्य विसंगतियों के चलते लोगों की नैतिकता और धार्मिकता का पतन हो रहा है। इसके समाधान के लिए हमें युवा पीढ़ी को धर्म और संस्कृति से जोड़ना होगा। अपने मूल को पहचानना होगा। हिन्दुत्व को जीवंत रखने इसके अलावा और कोई दूसरा रास्ता नही हो सकता है। कथा को कुछ कथावाचकों द्वारा कारोबार का जरिया बनाने से जुड़े एक सवाल के जवाब में कथावाचक धर्मेश महाराज ने स्पष्ट कहा कि कथा धर्म है। अर्थ के कथा करना कदापि कथा नहीं हो सकता है। ऐसे व्यवहार से कथाकारों को दूर रहना चाहिए।

गौवत्स की उपाधि प्राप्त कथावचक धर्मेश महाराज गौवंश की सुरक्षा व संवर्धन के लिए विशेष अभियान छेड़े हुए है। उन्होने गौवंश से जुड़े सवाल पर कहा कि देश व राज्यों में गौ सुरक्षा कानून बने या ना बने, लेकिन गौ माता की रक्षा एवं गौ हत्या रोकने दोनो ही सरकारों को सख्ती से कदम उठाना चाहिए।

गांजा तस्करी करते उत्तर-प्रदेश का अंतर्राज्यीय गांजा तस्कर गिरफ्तार

नशे के विरुद्ध विशेष अभियान के तहत थाना न्यू राजेन्द्र नगर पुलिस की गांजा पर बड़ी कार्यवाही

थाना न्यू राजेन्द्र नगर क्षेत्रांतर्गत ओवरब्रिज के नीचे, केनाल रोड स्थित कुष्ठरोग अस्पताल के पास गांजा के साथ आरोपी को किया गया गिरफ्तार।

आरोपी के कब्जे से 20.300 किलोग्राम गांजा किया गया है जप्त।

गांजा तस्करी में प्रयुक्त स्विफ्ट कार तथा 02 नग मोबाइल फोन भी किया गया है जप्त।

रायपुर। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र में नशे के विरुद्ध विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत अवैध एवं प्रतिबंधित मादक पदार्थों, प्रतिबंधित नशीली टेबलेट एवं सिरप तथा सूखे नशे की तस्करी, खरीदी-बिक्री पर प्रभावी नियंत्रण एवं रोकथाम की जा रही है। साथ ही प्रकरणों में गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध End-to-End जांच के साथ-साथ फाइनेंशियल इन्वेस्टिगेशन की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में दिनांक 07.02.2026 को थाना न्यू राजेन्द्र नगर पुलिस की टीम को सूचना प्राप्त हुई कि थाना क्षेत्रांतर्गत लालपुर ओवरब्रिज के नीचे, केनाल रोड स्थित कुष्ठरोग अस्पताल के पास एक चारपहिया वाहन में सवार कुछ व्यक्ति वाहन में गांजा रखकर उसकी डिलीवरी हेतु ग्राहक की तलाश कर रहे हैं।

सूचना की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस उपायुक्त (वेस्ट जोन) श्री संदीप पटेल द्वारा अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (वेस्ट जोन) श्री राहुल देव शर्मा, सहायक पुलिस आयुक्त राजेन्द्र नगर श्री नवनीत पाटिल तथा थाना

प्रभारी न्यू राजेन्द्र नगर निरीक्षक नरेन्द्र कुमार मिश्रा को सूचना की तस्दीक कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी न्यू राजेन्द्र नगर के नेतृत्व में थाना न्यू राजेन्द्र नगर पुलिस टीम द्वारा उक्त स्थान पर पहुंचकर मुखबीर द्वारा बताए गए चारपहिया वाहन को चिन्हांकित किया गया। पुलिस टीम को अपने पास आता देख वाहन में सवार दो व्यक्ति उतरकर फरार हो गए, जबकि चालक सीट पर बैठे एक व्यक्ति को घेराबंदी कर मौके पर पकड़ा गया। पकड़े गए व्यक्ति से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम हिमांशु केशरवानी, निवासी प्रयागराज, उत्तर प्रदेश बताया। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें अलग-अलग पैकेटों में गांजा रखा होना पाया गया। पूछताछ में आरोपी हिमांशु केशरवानी द्वारा अपने अन्य दो साथियों के साथ मिलकर गांजा को कालाहांडी (उड़ीसा) से लाकर रायपुर एवं उत्तर प्रदेश में विक्रय करना बताया गया है।

जिस पर आरोपी हिमांशु केशरवानी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 20.300 किलोग्राम गांजा, कीमती लगभग 2,05,000/-रूपये, प्रकरण में प्रयुक्त स्विफ्ट कार क्रमांक सी जी 04 एम टी 1518, कीमती 5,00,000/- रूपये, तथा वीवो कंपनी के दो मोबाइल फोन कीमती 50,000/- रूपये जुमला कीमती लगभग 7,55,000/- जप्त कर आरोपी के विरुद्ध थाना न्यू राजेन्द्र नगर में अपराध क्रमांक 56/26, धारा 20(बी) नारकोटिक एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही किया गया।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा सरकार में आडिट के पहले आबकारी भवन में आग लगना दाल में कुछ काला

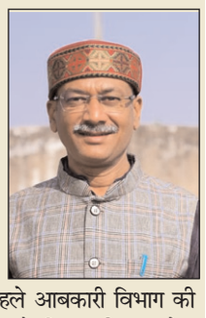

रायपुर। ऑडिट के पहले आबकारी भवन लाभांडी में लगी आग को भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार छिपाने षड्यंत्र करार देते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा भाजपा सरकार के दो साल में बेहिसाब शराब घोटाला हुआ है। मिलावटी शराब, खराब क्वालिटी का शराब, प्लेसमेंट कम्पनियों की गड़बड़ियां, राजस्व की बड़ी चोरी हुई है।जो ऑडिट में जनता के सामने उजागर होता इसे बचने के लिये ऑडिट के पहले आबकारी विभाग की तीसरी मंजिल में आग लगा दी गई ताकि ऑडिट के लिए रखी दसतावेज जलकर खाक हो जाये और भ्रष्टाचार के सबूत नष्ट हो जाये।ये गम्भीर मामला है इसकी उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिये। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा डबल इंजन की सरकार में हर विभाग में भारी गड़बड़ियां हो रही है।अभी कुछ दिन पहले रायपुर डीओ ऑफिस में भी आग लगी थी जिसमे महत्पूर्ण दसतावेज जलकर खाक हो गये।इसके पहले गुढ़ियारी में बिजली विभाग के करोड़ो रूपया का ट्रांसफार्म जलकर खाक हो गया था उसकी जांच रिपोर्ट भी संदिग्ध थी जिम्मेदारों पर अब तक कोई कार्यवाही नही हुई है।अब आबकारी विभाग में भी आगजनी हो गई।ये सब घटनाये ऑडिट के पहले ही हो रही है। आगजनी की घटना को दुर्घटना बताकर भ्रष्टाचार के सबूत मिटाये जा रहे है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि साल के आखिर में विभागीय ऑडिट होती है जिसकी जानकारी सदन के बजट सत्र में रखी जाती है ऐसे में भ्रष्टाचार छिपाने गड़बड़ियों पर पर्दा करने आगजनी की घटनाये हो रही है इसे शार्ट सर्किट बताकर जनता का ध्यान गड़बड़ियों से हटाया जाने का षडयंत्र रचा जा रहा है।भाजपा सरकार शराब की काली कमाई कर रही है।और सरकारी दफ्तरों में आग लगवा रही है।

अमित शाह नक्सलवाद पर राजनीति कर रहे - कांग्रेस

रायपुर :- नक्सलवाद के मामले में देश के गृह मंत्री अमित शाह ने राजनैतिक विद्वेष के कारण गलत बयानी किया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री को गलत बयानी शोभा नहीं देती। जब कांग्रेस की सरकार थी तब अपने हर दौरे में वे नक्सल नियंत्रण के मामले में भूपेश सरकार की तारीफकरते थे। आंकड़े बताते है कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार के दौरान नक्सली घटनाओं में कमी आई थी। स्वंय अमित शाह ने छत्तीसगढ़ में आकर 5 अप्रैल 2021 को मीडिया में बयान दिया था कि राज्य की भूपेश सरकार और केन्द्र सरकार ने मिलकर नक्सलवाद को पीछे खदेड़ दिया है। राज्य में नक्सली घटनाओं में 80 प्रतिशत तक की कमी आई है। अमित शाह के सामने आरपीएफके डीजीपी ने कहा था छत्तीसगढ़ में नक्सलवादी पैकअप की ओर है। आज गृहमंत्री की कांग्रेस सरकार के प्रयासो पर ऊंगली उठा रहे। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कांग्रेस की सरकार बनने के बाद विश्वास विकास सुरक्षा के मूल मंत्र से नक्सलवादी घटनाओं और नक्सलवाद पर कमी आई थी। कांग्रेस की सरकार के समय दूरस्थ क्षेत्रों में कैंप बनाये गये पहुंच मार्ग बनाये गये। अबूझमाड़ में दो पुल बनाया गया। 300 से अधिक स्कूलों को खोला गया, राशन दुकान, अस्पताल खोला गया, 67 से अधिक वनोपजों की खरीदी की गयी। लोगो का भरोसा सरकार और सुरक्षा बलो के प्रति बढ़ा था। नक्सलवाद पर प्रभावी नियंत्रण हुआ था। 600 से अधिक गांव नक्सल मुक्त हुये थे, नक्सली केवल बीजापुर के कुछ ब्लाक और अबूझमाड़ तक सिमट गये थे। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि अमित शाह भी जानते है प्रदेश में नक्सलवाद सिमटा है उसके पीछे भूपेश सरकार की नीतियां है दूरस्थ क्षेत्रों में सड़क निर्माण ,कैंप निर्माण रोजगार के साधन विकसित कर कांग्रेस ने विश्वास विकास सुरक्षा का जो माहौल बनाया उससे नक्सलवाद पीछे हटा सुरक्षा बल प्रभावी हुए ।

वीडियो जर्नलिस्ट ने 7 विकेट से जीता मैच

रायपुर। प्रेस क्लब खेल मड़ई के अंतर्गत आयोजित स्व. कुलदीप निगम स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट में दर्शकों का उत्साह बना हुआ है। सुभाष स्टेडियम में शनिवार को खेले गए मैच में वीडियो जर्नलिस्ट ने दैनिक भास्कर को 7 विकेट से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। दैनिक भास्कर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में 7 विकेट पर 98 रन बनाए। पहले बल्लेबाजी करने उतरी दैनिक भास्कर टीम के टॉप ऑर्डर के बल्लेबाज ज्यादा रन नहीं बना पाए और जल्दी जल्दी पैवेलियन लौट गए। सलामी बल्लेबाज विनोद कुमार बिना खाता खोले इकराम कुरैशी की गेंद पर कैच आउट हो गए। इसके बाद आये राकेश पांडे और प्रशांत गुप्ता थोड़ा रन जोड़ने की कोशिश की, लेकिन वे दोनों जल्दी ही पैवेलियन लौट गए। राकेश पांडेय 6 रन और प्रशान्त गुप्ता 9 रन बनाए। इसके बाद आये अमिताभ दुबे जैनी राम ने पारी संभालने की कोशिश की। संभलकर खेल रहे जैनी राम गेंद को बाउंड्री पार भेजने के चक्कर मे सुनील की गेंद पर मनीष को कैच थमा बैठे। जैनी राम ने दो चौके और एक छक्का की मदद से 12 गेंदों में 18 रन बनाए। इसके बाद आये होमेन्द्र साहू ने पारी संभाली। दूसरे छोर पर संभलकर खेल रहे अमिताभ दुबे 8 रन के निजी स्कोर पर रनआउट हो गए। फिर कप्तान कौशल स्वर्णबेर ने पारी संभालते हुए एक चौका एक छक्का की मदद से नाबाद 13 रन बनाए। वहीं होमेन्द्र साहू भी 19 रन बनाकर कैच आउट हो गए। इसके बाद आये अमृत राज भी 2 रन बनाकर पैवेलियन लौट गए। वीडियो जर्नलिस्ट की ओर से एकराम कुरैशी सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 2 विकेट झटके, जबकि सुनील, टाकेश्वर और होरी साहू ने एक - एक बल्लेबाज को पैवेलियन भेजा। जवाब में वीडियो जर्नलिस्ट ने 8.4 ओवर में 3 विकेट पर 102 रन बनाकर 7 विकेट से मैच जीत लिया। टीम की ओर से हर्ष होरी साहू ने 58 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने 28 गेंदों में 5 चौके और 5 आसमानी छक्के जड़े। वहीं मनीष हरपाल ने दो चौके और दो छक्के की मदद से 15 गेंदों में 24 रन बनाए। इकराम कुरैशी ने 9 रन का योगदान दिया । दैनिक भास्कर की ओर से प्रशांत गुप्ता, राकेश पांडेय और शिवम को एक एक विकेट लेने में सफलता मिली। कार्यक्रम के अतिथि विधायक संदीप साहू और छत्तीसगढ़ वॉच के संपादक रामावतार तिवारी ने शानदार प्रदर्शन के लिए वीडियो जर्नलिस्ट के हर्ष होरी साहू को मैन ऑफद मैच पुरस्कार प्रदान किया। इस दौरान रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी, उपाध्यक्ष दिलीप साहू, महासचिव गौरव शर्मा, कोषाध्यक्ष दिनेश यदु, संयुक्त सचिव भूपेश जांगड़े, खेल मड़ई के संयोजक विजय मिश्रा सहित बड़ी संख्या में पत्रकार और खेलप्रेमी मौजूद थे। वैदुर्य निगम और अनुराग ने अंपायरिंग की , पी रामाराव नायडू ने स्कोरर की भूमिका निभाई । विजय मिश्रा ने छत्तीसगढ़ी में मैच का आंखों देखा हाल सुना दर्शकों को रोमांचित कर उनका खूब मनोरंजन किया । दर्शकों का कहना है मैच से ज्यादा मजा तो मैच की कामेंट्री में आ गया ।

विकास पुरुष बृजमोहन अग्रवाल की बड़ी उपलब्धि: छत्तीसगढ़ को मिलेगी पहले NSTI की सौगात

रायपुर :- छत्तीसगढ़ के विकास पुरुष और वरिष्ठ भाजपा नेता, सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल के अथक प्रयासों और संकल्पशक्ति के परिणामस्वरूप प्रदेश में पहले राष्ट्रीय कौशल विकास संस्थान (NSTI) की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हो गया है। श्री अग्रवाल द्वारा लोकसभा में इस विषय को प्रखरता से उठाए जाने के बाद अब राज्य के तकनीकी शिक्षा विभाग ने प्रक्रिया तेज कर दी है। तकनीकी शिक्षा विभाग ने रायपुर कलेक्टर को पत्र लिखकर में जमीन की जानकारी मांगी है। जमीन का चिह्नांकन होने के बाद आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में एनएसटीआई की आवश्यकता को लेकर श्री बृजमोहन अग्रवाल ने संसद में 2 फरवरी 2026 को प्रभावी ढंग से आवाज उठाई थी। उनके द्वारा पूछे गए लिखित प्रश्न के उत्तर में केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया था कि राज्य की ओर से 10 एकड़ जमीन उपलब्ध होते ही फंड जारी कर दिया जाएगा। सांसद के निरंतर फॉलो-अप और दबाव का ही परिणाम है कि अब जिला प्रशासन रायपुर (सड्डु या मोवा) में जमीन की तलाश कर रहा है।

छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए 'गेम चेंजर' साबित होगा संस्थान- सांसद श्री अग्रवाल का मानना है कि केवल डिग्री से रोजगार नहीं मिलता, बल्कि कौशल (Skill) से भविष्य संवरता है। इस संस्थान के आने से छत्तीसगढ़ के युवाओं को भविष्य की तकनीक: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), मशीन लर्निंग और डिजिटल सेवाएं।

ग्रीन इकोनॉमी: इलेक्ट्रिक व्हीकल और ग्रीन एनर्जी का आधुनिक प्रशिक्षण।

स्थानीय विकास: खनिज, बिजली, और कृषि प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में रोजगारोन्मुखी कोर्स के माध्यम से विश्वस्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त होगा।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल का कहना है कि, हमारा लक्ष्य छत्तीसगढ़ के युवाओं को केवल नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बनाना है। NSTI के माध्यम से हम ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के प्रतिभाशाली युवाओं को आधुनिक उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप तैयार करेंगे, जिससे पलायन रुकेगा और स्थानीय स्तर पर समृद्धि आएगी।

पलायन पर लगेगी रोक, बढ़ेंगे रोजगार के अवसर- छत्तीसगढ़ जैसे संसाधन संपन्न राज्य के लिए यह पहल एक मील का पत्थर है। श्री अग्रवाल के विजन के अनुरूप, यह संस्थान उद्योगों के साथ सीधा तालमेल बिठाकर युवाओं को सीधे प्लेसमेंट दिलाने में मदद करेगा।

इससे प्रदेश की बेरोजगारी दर में भारी कमी आएगी और छत्तीसगढ़ कौशल विकास के मानचित्र पर अग्रणी राज्य बनकर उभरेगा।

सहकारिता से स्टार्टअप तक: ग्रामीण भारत के कायाकल्प की नई पटकथा

रायपुर :- सहकारिता एवं कृषि आधारित ग्रामीण विकास विशेषज्ञ घनश्याम तिवारी ने केंद्र सरकार द्वारा सहकारी समितियों को स्टार्टअप का दर्जा देने के निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने इसे ग्रामीण भारत के लिए एक ऐतिहासिक नीतिगत बदलाव बताते हुए कहा कि यह पहल सहकारिता को पारंपरिक ढांचे और लाइसेंस राज की सोच से बाहर निकालकर नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था से जोड़ने वाली है।

घनश्याम तिवारी के अनुसार अब तक ग्रामीण सहकारी समितियां अपनी कार्यशील पूंजी के लिए मुख्य रूप से सरकारी अनुदान और जिला सहकारी बैंकों पर निर्भर थीं, लेकिन स्टार्टअप की मान्यता मिलने से अब इनके लिए एंजेल इन्वेस्टर्स और वेंचर कैपिटल जैसे निजी निवेश के नए रास्ते खुलेंगे। इससे गांव स्तर पर कृषि और ग्रामीण उद्यम से जुड़े नवाचारों को वित्तीय समर्थन मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि यह नीति तकनीक और परंपरा के संगम को मजबूत करेगी। जब सहकारी समितियां स्टार्टअप के रूप में कार्य करेंगी, तो वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीकों को सीधे खेतों तक पहुंचा सकेंगी, जिससे खेती की लागत घटेगी और छोटे किसानों को भी समान रूप से तकनीकी लाभ मिलेगा। घनश्याम तिवारी का मानना है कि इस निर्णय से कृषि आपूर्ति श्रृंखला में व्यापक सुधार आएगा। स्टार्टअप के रूप में पंजीकृत सहकारी समितियां सीधे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जुड़ सकेंगी, जिससे किसानों और उपभोक्ताओं के बीच मौजूद बिचौलियों की भूमिका सीमित होगी और किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त होगा। उन्होंने इसे ग्रामीण युवाओं के लिए रिवर्स माइग्रेशन का बड़ा अवसर बताया। उनके अनुसार अब तक तकनीकी स्टार्टअप शुरू करने के लिए युवाओं को शहरों की ओर जाना पड़ता था, लेकिन अब वही युवा अपने गांव की सहकारी समिति को स्टार्टअप में बदलकर स्थानीय स्तर पर रोजगार और उद्यमिता विकसित कर सकेगा। घनश्याम तिवारी ने यह भी कहा कि स्टार्टअप का दर्जा मिलने से ग्रामीण क्षेत्रों में फूड प्रोसेसिंग और वैल्यू एडिशन को नई गति मिलेगी। सहकारी समितियां अब केवल कच्चा कृषि उत्पाद बेचने तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि प्रसंस्कृत उत्पादों की ब्रांडिंग और मार्केटिंग भी स्वयं कर सकेंगी, जिससे मुनाफे का बड़ा हिस्सा गांव में ही बना रहेगा। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि केवल नीति बनाना पर्याप्त नहीं है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सहकारी समितियों की डिजिटल साक्षरता बढ़ाना, अनुपालन प्रक्रियाओं को सरल करना और ब्लॉक स्तर पर इंक्यूबेशन सेंटर स्थापित करना आवश्यक होगा, ताकि ग्रामीण समितियां स्टार्टअप मॉडल को व्यवहारिक रूप से अपना सकें।

किसान सुरेश कुमार नाग को मिला 'भुइयां के भगवान' सम्मान

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के ग्राम कासौली (विकासखंड दंतेवाड़ा) के प्रगतिशील किसान श्री सुरेश कुमार नाग को आईबीसी 24 द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रतिष्ठित 'भुइयां के भगवान' सम्मान से नवाजा गया है। 06 फरवरी 2026 को आयोजित कार्यक्रम में राज्य के उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान राशि प्रदान कर सम्मानित किया। यह उपलब्धि दंतेवाड़ा जिले के किसानों के लिए गर्व का विषय है।

श्री सुरेश कुमार नाग लंबे समय से जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने रासायनिक खेती के दुष्परिणामों को समझते हुए अपने खेतों में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का उपयोग पूरी तरह बंद कर दिया और जीवामृत, घन-जीवामृत तथा नीमास्त्र और ब्रह्मास्त्र जैसे जैविक उपायों को अपनाया। इसके अच्छे परिणाम मिलने के बाद उन्होंने अपने अनुभव अन्य किसानों के साथ

साझा किए, जिससे आसपास के कई किसान भी प्राकृतिक खेती की ओर प्रेरित हुए।

श्री नाग 100 से अधिक परंपरागत धान की किस्मों के संरक्षण का कार्य भी कर रहे हैं। इसके साथ ही श्री विधि से रागी और कोसरा की खेती जैसे नवाचारों को अपनाकर जिले में प्राकृतिक खेती को नई दिशा दी है। जिला प्रशासन और कृषि विभाग द्वारा जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए चलाए जा रहे प्रयासों को श्री नाग जैसे किसानों ने जमीन पर सफल बनाया है। उनकी इस उपलब्धि पर किसानों, कृषि विशेषज्ञों और अधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि सुरेश कुमार नाग जैसे किसान समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हैं, जो खेती के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और मिट्टी की उर्वरता बचाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। सम्मान प्राप्त करने के बाद श्री नाग ने कहा कि यह पुरस्कार उन सभी किसानों को समर्पित है, जो प्राकृतिक खेती अपनाकर धरती और आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही और नौ महीनों के वित्त परिणाम घोषित किए

नईदिल्ली। स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड, जिसका पूर्व नाम स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड था, ने अपने वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही और नौ महीने के परिणाम घोषित किए, जो कंपनी की स्ट्रेटेजिक ग्रोथ, फाइनेंसियल ग्रोथ और लांग टर्म वैल्यू क्रिएशन को दर्शाता है।

मैनेजिंग डायरेक्टर नागेश्वर राव कंदुला ने कहा: ÷वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही और नौवीं माही हमारी कंपनी के लिए एक निर्णायक दौर है। हमने सफलतापूर्वक इंटीग्रेटेड इंजीनियरिंग प्लेटफॉर्म में खुद को परिवर्तित कर लिया है, साथ ही अपने मुख्य ग्लास-लाइनिंग बिज़नेस को भी तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं।÷

ग्लास-लाइन्ड टेक्नोलॉजीज़ में नेतृत्व, कंडक्टिविटी ग्लास-लाइन्ड रिएक्टरों जैसे ब्रेकथ्रू इनिवेशंस, शेल-एंड-ट्यूब हीट एक्सचेंजर्स में मजबूत पकड़ और विस्तारित टर्नकी इंजीनियरिंग क्षमताओं के साथ, स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड लॉगटर्म, सस्टेनेबल मूल्य क्रिएशन के लिए अच्छी स्थिति में है। हमारा ध्यान एक्सक्यूशन एक्सीलेंस, टेक्नोलॉजिकल लीडरशिप और अपने शेयरधारकों के लिए निरंतर मूल्य क्रिएशन पर केंद्रित है।

वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण तिमाही है। इस तिमाही के दौरान, कंपनी औपचारिक रूप से अपने कॉर्पोरेट नाम को बदलकर स्टैंडर्ड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड कर दिया।

यह बदलाव स्ट्रेटेजिक, डिलिब्रेट और फॉरवर्ड लुकिंग है।

उधारी रकम वापस न करने की बात को लेकर धारदार हथियार से हमला करने वाले 03 आरोपी एवं 01 विधि से संघर्षरत बालक गिरफ्तार

रायपुर। प्रकरण में आरोपीगण अपने नाबालिग साथी के साथ मिलकर पूर्व में आहत दुर्गेश धृतलहरे, निवासी तुलसी नेवरा से उधारी में दी गई रकम की मांग करने गए थे। रकम वापस न मिलने की स्थिति में उसकी हत्या करने की नीयत से आरोपीगण प्रत्येक अपने-अपने पास धारदार चाकू लेकर बीती रात्रि आहत के घर पहुंचे। आरोपीगण द्वारा आहत के घर का दरवाजा बलपूर्वक तोड़कर अनाधिकृत रूप से प्रवेश किया गया एवं पैसों की मांग की गई। आहत द्वारा रकम देने से इंकार करने पर आरोपियों ने चाकू लहराकर भयादोहन किया, गाली-गलौच करते हुए हाथ-मुक्कों से मारपीट की तथा चाकू से वार कर आहत की बाईं जांघ में गंभीर चोट पहुंचाई।

पुलिस की त्वरित कार्यवाही- घटना की सूचना मिलते ही

डायल-112 एवं पेट्रोलिंग टीम तत्काल मौके पर पहुंची एवं घायल को उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, तिल्दा नेवरा लाया गया, जहां उसका समुचित उपचार कराया गया। थाना तिल्दा नेवरा पुलिस द्वारा तत्काल अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों की पतासाजी प्रारंभ की गई। पुख्ता मुखबिर सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों एवं उनके नाबालिग साथी को हिरासत में लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त धारदार चाकू जप्त किए गए। गिरफ्तारी उपरांत आरोपियों को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है, वहीं विधि से संघर्षरत बालक के विरुद्ध किशोर न्याय अधिनियम के तहत वैधानिक कार्यवाही की गई है।

वरिष्ठ अधिकारियों का मार्गदर्शन- घटना की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) जिला रायपुर महोदया श्रीमती श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) प्रशांत शुक्ला एवं अनुविभागीय पुलिस अधिकारी (विधानसभा) श्री वीरेन्द्र चतुर्वेदी द्वारा थाना तिल्दा नेवरा पुलिस को आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया, जिसके फलस्वरूप पुलिस को सफलता प्राप्त हुई।

गिरफ्तार

01.इन्द्रा सांवरा, पिता - टिंकू सांवरा, उम्र - 19 वर्ष, निवासी - तुलसी नेवरा, थाना तिल्दा नेवरा, जिला रायपुर द्य

02.विजय ध्रुव, पिता - स्व. सलित ध्रुव, उम्र - 19 वर्ष, निवासी - तुलसी नेवरा, थाना तिल्दा नेवरा, जिला रायपुर ।

03.वेदनारायण यादव उर्फ वेदू, पिता - अर्जुन यादव, उम्र - 21 वर्ष, निवासी - तुलसी नेवरा, जिला रायपुर। 04.विधि से संघर्षरत बालक - 01।

संपादकीय

नई दवाओं के विकास

अनुसंधान एवं परीक्षण की गतिविधियों को नौकरशाही सुस्ती से मुक्त करना सही दिशा में कदम है। लेकिन इसे सुनिश्चित करना भी जरूरी होगा कि दवा कंपनियां नियमों में दी जा रही रियायत का बेज़ा फायदा ना उठाएं। भारत सरकार ने नई दवाओं के विकास के लिए हरी झंडी देने के नियम आसान बनाए हैं। इसके लिए नई औषधि एवं क्लीनिकल ट्रायल के 2019 में बने नियमों में बदलाव किया गया है। मकसद नई दवाओं के परीक्षण में लगने वाले समय को घटाना और संबंधित अनुसंधान को प्रोत्साहित करना है। पहले ऐसे कार्यों के लिए केंद्रीय औषधि प्रमाणन नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) से लाइसेंस हासिल करना अनिवार्य था। अब कंपनियां कुछ श्रेणियों की दवाओं को छोड़कर बाकी सभी मामलों में सीडीएससीओ को महज ऑनलाइन सूचना देकर परीक्षण शुरू कर सकेंगी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि इस बदलाव से कम-से-कम 90 दिन की बचत होगी। दवा कंपनियां लंबे समय से ऐसे बदलाव की मांग कर रही थीं। विनियमन प्रक्रिया की धीमी गति को वे अपने लिए बड़ी रुकावट मानती रही हैं। अत: अनुसंधान एवं परीक्षण की गतिविधियों को नौकरशाही सुस्ती से मुक्त करना सही दिशा में कदम है। लेकिन इसे सुनिश्चित करना भी जरूरी होगा कि कंपनियां नियमों में ढीलेपन का बेज़ा फायदा ना उठाएं। हालांकि भारतीय दवा उद्योग की दुनिया में ऊंची साख है, लेकिन हाल के वर्षों में कंपनियों द्वारा विनियमन प्रक्रिया में ढिलाई का लाभ उठाने के कई मामलों सामने आए हैं। कफ सिरप जैसी दवाओं से मिलावट की घटनाओं से भारतीय औषधि उद्योग पर कलंक लगा है। आम धारणा है कि भारत में निगरानी की व्यवस्था पश्चिमी देशों में मौजूद विनियम से कमजोर है। इसी कारण भारत में बनी जेनरिक दवाओं को ब्रांडेड दवाओं से अक्सर कमतर समझा जाता है। इसके बावजूद भारत में बनी दवाओं और वैक्सीन का दुनिया में बहुत बड़ा बाजार है, तो उसकी वजह इनका किफायती होना है। दवा उत्पादन के लिहाज से भारत दुनिया में तीसरे और मूल्य के लिहाज से 14वें स्थान पर आता है। देश में तीन हजार से ज्यादा दवा कंपनियां और साढ़े दस हजार फैक्टरियां हैं। लगभग 60 जेनरिक ब्रांड यहां उत्पादित होते हैं। इस कारोबार ने दशकों के दरम्यान इतना विशाल आकार ग्रहण किया है, तो उसमें विश्वसनीयता एक निर्णायक पहलू रही है। नए बदलावों के साथ इस पर कोई समझौता नहीं हो, इसे अवश्य सुनिश्चित करना होगा।

यूरोप का ट्रंप के आगे खड़ा होना महत्वपूर्ण

हरिशंकर व्यास

लग नहीं रहा था कि यूरोपीय संघ, ब्रिटेन के नेता डोनाल्ड ट्रंप से भिड़ेंगे। सोचें, ट्रंप ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और प्रधानमंत्री मोदी पर कितना खराब बोले हैं लेकिन ट्रंप को झूठा करार देने का भारत सरकार ने एक वाक्य नहीं बोला। ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने पर भी भारत का जवाबी टैरिफ नहीं है। फिर वेनेजुएला के राष्ट्रपति को अगुआ करवाने की ट्रंप की कार्रवाई से अलग दुनिया सहमी हुई थी। तभी ग्रीनलैंड को लेकर यूरोपीय नेता की हल्की आनाकानी हुई तो ट्रंप ने अपने अंहकार में फटाक ब्रिटेन, यूरोपीय संघ पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी।

और तब यूरोपीय नेता जैसे खड़े हुए तो सभी चौंके। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टार्मर, फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों, इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी, जर्मनी के चासंलर शोल्ज़ से लेकर डेनमार्क, नार्वे, यूरोपीय संघ की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद् के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा सभी ने ट्रंप को दो टूक जवाब दिया। घोर ट्रंप समर्थक मेलोनी का वाक्य था कि 'ग्रीनलैंड कोई सौदे की वस्तु नहीं है। संप्रभुता पर बातचीत नहीं हो सकती'। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस से, फिर संसद में साफ कहा कि हम ग्रीनलैंड की संप्रभुता के समर्थक हैं और अमेरिका का ऐसे टैक्स लगाना पूरी तरह गलत है। फ्रांस के मैक्रों, यूरोपीय परिषद् के प्रमुख एंटोनियो कोस्टा और जर्मनी के शोल्ज़ (सर्वाधिक बेबाक) के वाक्य ज्यादा मुखर थे। जैसे हम किसी भी तरह की धमकी के आगे नहीं झुकेंगे— न यूक्रेन पर, न ग्रीनलैंड पर। नतीजतन सोशल मीडिया पर अमेरिकी झंडा पकड़े ट्रंप के ग्रीनलैंड की और बढ़ने वाले पोस्ट के बाद दावोस में ट्रंप का रंग बदला हुआ था। तभी उन्होंने दावोस में कहा कि सैनिक बल से ग्रीनलैंड नहीं कब्जाएंगे। फिर उन्होंने यूरोपीय देशों पर नए टैरिफ का फैसला भी वापिस लिया।

मगर यूरोपीय देश इससे संतुष्ट नहीं हुए। यूरोपीय संघ की पूर्व निर्धारित आपातकालीन बैठक हुई। बैठक बाद कहा गया, यूरोपीय संघ अपनी रक्षा करेगा— अपने सदस्य देशों की, अपने नागरिकों की और अपनी कंपनियों की। ज्डेनमार्क और ग्रीनलैंड को यूरोपीय संघ का पूर्ण समर्थन प्राप्त है, और उनके भविष्य से जुड़े मामलों पर निर्णय लेने का अधिकार केवल उन्हीं के पास है।ज यह अंतरराष्ट्रीय कानून, क्षेत्रीय अखंडता और राष्ट्रीय संप्रभुता के उन सिद्धांतों के प्रति हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो यूरोप के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए अनिवार्य हैं।

ये वाक्य मामूली नहीं हैं। इसलिए क्योंकि ट्रंप अपनी सनक में दूसरे महायुद्ध के बाद बनी विश्व व्यवस्था को बदल, जिसकी लाठी उसकी भैंस की व्यवस्था बनवा रहे हैं। ऐसा होना खतरनाक है। आखिर ग्रीनलैंड को ट्रंप ने इस तरह कब्जाया तो चीन के शी जिनपिंग को ताइवान या अरूणाचल प्रदेश कब्जाने में भला कौन रोक सकेगा या पुतिन क्यों नहीं यूक्रेन के बाद बाल्टिक देशों पर कब्जे के लिए प्रेरित होंगे

तभी यूरोप का ट्रंप के आगे खड़ा होना शेष विश्व के लिए महत्वपूर्ण है। यों ट्रंप प्रशासन रूकेगा नहीं। वह ध्यान बंटाने के लिए क्यूबा, ईरान की ओर बढ़ सकता है। बावजूद इसके यूरोपीय देशों ने रास्ता दिखाया है। जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन, यूरोप में समझ बन गई है कि उन्हें वह महाशक्ति बनना है जो बिना अमेरिकी साथ के भी रूस, चीन के आगे खड़े हो सके। ट्रंप की रीति-नीति ने ब्रिटेन, यूरोपीय संघ, कनाडा, जापान, ऑस्ट्रेलिया सभी को जगाया है।

विदेशी विश्वविद्यालय: शिक्षा का वैश्वीकरण या नई असमानता की शुरुआत

राजेश जैन

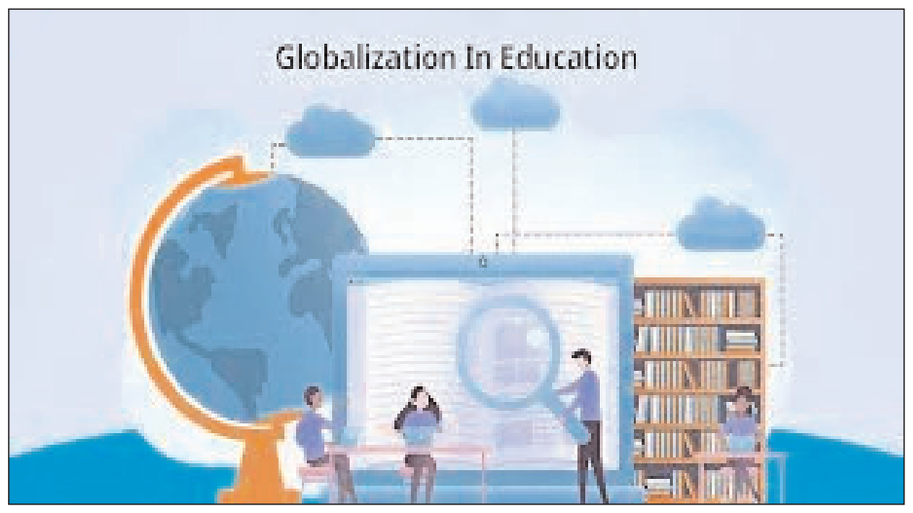

हाल ही में खबर आई थी कि नौ ब्रिटिश विश्वविद्यालय भारत में अपने कैंपस स्थापित करने की तैयारी कर रहे हैं। भारत के उच्च शिक्षा परिदृश्य में यह टर्निंग पॉइंट 2023ङ्क24 से आया था। तभी से दुनिया के नामी विश्वविद्यालयों ने हमारे देश की ज़मीन पर अपने स्वतंत्र कैंपस खोलना शुरू किया। यह बदलाव यूँ ही नहीं आया। इसके पीछे है यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन के फॉरेन हायर एजुकेशनल इंस्टिट्यूशंस रेगुलेशंस- 2023 और नेशनल एजुकेशन पॉलिसी- 2020 की वह सोच, जिसमें भारत को वैश्विक शिक्षा केंद्र बनाने का सपना देखा गया है।

आज यह सपना धीरे-धीरे हकीकत में बदल रहा है। ऑस्ट्रेलिया की डीकिन यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ़ वोलोंगोंग ने गुजरात में पढ़ाई शुरू करवा दी है। ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी ऑफ़ साउथैम्प्टन, गुरुग्राम में अपना कैंपस खोल चुकी है। हैंइलिनॉय इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी,यूनिवर्सिटी ऑफ़ लिवरपूल, यूनिवर्सिटी ऑफ़ यॉर्क, यूनिवर्सिटी ऑफ़ ब्रिस्टल, वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी, कोवेंट्री यूनिवर्सिटी और क्वीन्स यूनिवर्सिटी बेलफ़ास्ट को भारत में कैंपस खोलने के लिए लेटर ऑफ़इंटेंट मिल चुका है। सवाल यह नहीं है कि विदेशी विश्वविद्यालय आ रहे हैं। असली सवाल है-इससे भारत को क्या मिलेगा, क्या खो सकता है और इसे कैसे संतुलित किया जाए?

भारत इसलिए बना विदेशी विश्वविद्यालयों का नया ठिकाना- भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा युवा बाज़ार है। 30 वर्ष से कम उम्र की आबादी 50त्न से ज्यादा है, लेकिन उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात अभी भी लगभग 30त्न के आसपास है। यानी करोड़ों युवा ऐसे हैं, जो बेहतर शिक्षा के मौके तलाश रहे हैं। दूसरी ओर, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे देशों के विश्वविद्यालय घरेलू नामांकन में ठहराव और सरकारी फंडिंग में कटौती झेल रहे हैं। हालिया वीज़ा सख्ती ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या भी प्रभावित की है। ऐसे में भारत उनके लिए हाई-पोटेंशियल मार्केट बनकर उभरा है। यहां अंग्रेज़ी बोलने वाले छात्र हैं, उभरता मध्यम वर्ग है और अंतरराष्ट्रीय डिग्री की मजबूत मांग है। आसान शब्दों में कहें तो यह विन-विन मॉडल है-विदेशी संस्थानों को नया बाज़ार, भारत को ग्लोबल एजुकेशन का एक्सेस।

घर बैठे मिलेगी विदेशी डिग्री- सबसे बड़ा फायदा है-घर बैठे विदेशी डिग्री। अब भारतीय छात्रों को मास्टर्स या स्पेशलाइज्ड कोर्स के लिए विदेश जाने, लाखों की फीस, वीज़ा तनाव और महंगे जीवन-यापन का सामना नहीं करना पड़ेगा। अनुमान है कि भारत में वही डिग्री 25ङ्क30त्न कम लागत में मिल सकेगी। इसके साथ उनको अंतरराष्ट्रीय पाठ्यक्रम, इंडस्ट्री-फोकस्ड ट्रेनिंग, ग्लोबल फैकल्टी एक्सपोज़र, बेहतर रिसर्च कल्चर भी मिलेंगे। बिजनेस एनालिटिक्स, साइबर सिक्योरिटी, फिन्टेक, कंप्यूटिंग जैसे कोर्स सीधे भविष्य की नौकरियों से जुड़े हैं। इससे स्किल गैप कम हो सकता है और भारतीय ग्रेजुएट्स की ग्लोबल एम्प्लॉयबिलिटी बढ़ सकती है।

प्रतिभा पलायन पर लगेगी रोक - 2019 में करीब 5.8 लाख भारतीय छात्र विदेश गए थे। 2023 में यह संख्या 9 लाख तक पहुंच गई। इनमें से 75त्न से ज्यादा वहीं बसने की इच्छा रखते हैं। इसका मतलब-देश से प्रतिभा भी जा रही है और अरबों डॉलर विदेशी मुद्रा भी। अगर यही गुणवत्ता भारत में उपलब्ध हो जाए, तो ब्रेन ड्रे की जगह ब्रेन रिटेंशन संभव है। विदेशी कैंपस देश के भीतर ही अंतरराष्ट्रीय माहौल तैयार कर सकते हैं।

रिसर्च और अकादमिक सुधार का मौका- विदेशी विश्वविद्यालय सिर्फ क्लासरूम नहीं लाते-वे साथ लाते हैं रिसर्च कल्चर, गवर्नेंस मॉडल और अकादमिक डिसिप्लिन। संयुक्त रिसर्च सेंटर, फैकल्टी एक्सचेंज और साझा प्रोजेक्ट्स के ज़रिये भारतीय संस्थानों की क्षमता बढ़ सकती है। पहले से ही भारत के पास मजबूत आधार है-जैसे इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी बॉम्बे, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस बेंगलुरु और यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली जैसे संस्थान। सही सहयोग हुआ तो भारत सिर्फ स्टूडेंट-सोर्स देश नहीं रहेगा, बल्कि नॉलेज-प्रोड्यूसर बनेगा।

कुछ चिंताएं भी हैं- सबसे बड़ी चिंता है-वहनीयता। विदेशी कैंपस की फीस भले विदेश से कम हो, लेकिन भारतीय औसत आय के हिसाब से यह अभी भी बहुत ज्यादा है। खतरा यह है कि ये संस्थान सिर्फ अमीर वर्ग तक सीमित रह जाएं। इससे शिक्षा में सामाजिक असमानता और गहरी हो सकती है-जो नई शिक्षा नीति- 2020 के समावेशी शिक्षा के लक्ष्य के खिलाफ है।

दूसरी चुनौती है-व्यावसायीकरण। अगर रेगुलेशन कमजोर रहा, तो कुछ विदेशी संस्थान शिक्षा को प्रोडक्ट की तरह बेच सकते हैं। चीन और दक्षिण-पूर्व एशिया के उदाहरण बताते हैं कि कम नामांकन और ऊंची लागत के कारण कई विदेशी कैंपस कुछ साल में बंद भी हो गए।

तीसरा मुद्दा है-स्थानीय प्रासंगिकता। अगर पाठ्यक्रम भारतीय सामाजिक-आर्थिक ज़रूरतों से कटे रहे, स्थानीय फैकल्टी शामिल न हो और इंडियन कॉन्टेक्स्ट गायब हो तो ये कैंपस एलिट आइलैंड बनकर रह जाएंगे।

लचीलापन और जवाबदेही दोनों जरूरी- यूजीसी ने विदेशी विश्वविद्यालयों को पाठ्यक्रम, फीस और प्रवेश में काफी स्वायत्तता दी है ताकि वे तेजी से काम शुरू कर सकें। लेकिन अब ज़रूरत है स्मार्ट रेगुलेशन की। हमें ऐसा मॉडल चाहिए जिसमें टॉप-रैंक संस्थानों को ऑपरेशनल फ्रीडम मिले, फीस स्ट्रक्चर पारदर्शी हो, छात्र अधिकार सुरक्षित रहें, न्यूनतम छात्रवृत्ति को अनिवार्य किया जाए और अकादमिक गुणवत्ता की नियमित ऑडिट हो।

देश को इस रणनीति की दरकार - हर विदेशी कैंपस में इडब्यूएस और वंचित वर्ग के लिए स्कॉलरशिप अनिवार्य की जाए, अकेले कैंपस नहीं-भारतीय संस्थानों के साथ साझा मॉडल को बढ़ावा दिया जाए, रिसर्च और फैकल्टी डेवलपमेंट को प्राथमिकता मिले, सिर्फ टीचिंग तक सीमित न रहा जाए, पाठ्यक्रमों का भारतीयकरण हो ताकि वे यहां की अर्थव्यवस्था, समाज और उद्योग से जुड़े रहें और दीर्घकाल में भारत को अपनी आईवी लीग तैयार करनी होगी—जहां आईआईटी , आईआईएम और एम्स जैसे संस्थान वैश्विक रैंकिंग में शीर्ष पर हों।

विदेशी विश्वविद्यालयों का भारत आना सिर्फ शिक्षा सुधार नहीं-यह कूटनीति, अर्थव्यवस्था और सॉफ्ट पावर से भी जुड़ा है। सही नीति के साथ यह पहल भारत को एशिया का एजुकेशन हब बना सकती है लेकिन अगर इसे केवल बाज़ार के हवाले छोड़ दिया गया तो यह अमीरों की शिक्षा बनकर रह जाएगी। आज भारत एक दोराहे पर खड़ा है- एक रास्ता वैश्विक ज्ञान नेतृत्व की ओर जाता है, दूसरा नई शैक्षिक असमानता की तरफ। फैसला हमें करना है।

निमाड़ का नर्मदालय शिक्षा और स्वावलंबन का मंदिर

मन समर्पित तन समर्पित और ये जीवन समर्पित। चाहता हूं देश की धरती तुझे कुछ और भी दूं। कवि रामावतार त्यागी की ये पंक्तियां नासिक की भारती ठाकुर दीदी के व्यक्तित्व को चरितार्थ करती हैं। वे नर्मदा परिक्रमा करती हुई निमाड़ पहुंची थीं और फिर मां नर्मदा से मिली आत्मप्रेरणा के बाद यहीं की होकर रह गयीं। पिछले बीस सालों में उन्होंने परोपकार शब्द को पल पल जिया है और भील भिलाला आदिवासी बच्चों की शिक्षा दीक्षा और स्वरोजगार के लिए मप्र के खरगोन जिले में लेपा गांव की धरती पर नर्मदालय जैसा प्रेरक संस्थान खड़ा कर दिया है। यह यात्रा संकल्प, समर्पण और उच्च परोपकारी चेतना की सफलता की है। उन्होंने 2005 में नर्मदा परिक्रमा की थी और तब उनका नर्मदा परिक्रमा मार्ग में ही प्रेरणा जगी थी कि वे सेवानिवृत्त होकर जनजातीय बच्चों की शिक्षा के लिए अपना बाकी जीवन समर्पित करेंगी। अपनी एकमात्र पेंशन के भरोसे वे मंडलेश्वर में अपने नर्मदा परिक्रमा में मिले परिचितों के बीच पहुंची और उसके बाद जो उन्होंने पिछले दो दशक में किया वो खरगोन कसरावद क्षेत्र का गौरव बन गया है। यहां उन्होंने गांव गांव पैदल पैदल चलते हुए छोटे छोटे समूहों में बच्चों को पढ़ाने की जो मशाल जलाई उसके बाद तो लोग जुड़ते गए और प्रकल्प खड़ा होता गया। कसरावद का लेपा गांव में नर्मदालय शिक्षा, स्वरोजगार और स्वाबलंबन का तीर्थ है। यहां राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा तिथि को अयोध्या जैसा ही राममंदिर तीर्थ साकार हुआ था एवं बीते माह ही रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद और मां शारदा की भव्य प्रतिमाओं का श्रीरामकृष्ण विश्व सद्भावना निकेतन में लोकर्पण हुआ है। नासिक की भारती दीदी के नर्मदालय की कहानी पर मराठी भाषी लेखिका शुभदा मराठे ने एक विचारोत्तेजक अनुभूतियों पर कहानी नर्मदालय की नाम से पुस्तक लिखी है। इस पुस्तक को पढ़कर आप जानेंगे कि किस प्रकार भारती ठाकुर दीदी निमाड़ की धरा पर नर्मदा किनारे जंगल में रहने वाले बच्चों के बीच पहुंची। उनके बीच कुप्रथाओं, परिवारों में व्यसनों का सामना किया, लोगां का विरोध भी देखा मगर स्कूल में कभी कभी जाने वाले बच्चों को असल शिक्षा की राह दिखाई साथ ही पूरे महेश्वर, मंडलेश्वर, खरगोन कसरावद क्षेत्र को जनजातीय शिक्षा का आदर्श केन्द्र स्थापित किया। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने सटीक लिखा है कि महाराष्ट्र के नासिक में सरकारी नौकरी करने वाली एक महिला एक नवीन अनुभव लेने की इच्छा से सहेली के साथ नर्मदा परिक्रमा पर निकलती है और परिक्रमा पूरी करते ही वह मां नर्मदा की बेटी हो जाती है। नर्मदा की बेटी बनकर भारती ठाकुर दीदी ने भूख, गरीबी, अशिक्षा और अज्ञानता के दलदल में फंसे जनजातीय बचपन को सुसंस्कारित और शिक्षित किया है व उन्हें निमाड़ के गांव गांव की स्थानीय आवश्यकता अनुसार स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बना रही हैं। लेपा गांव का नर्मदालय भारती दीदी की अंर्तचेतना को दिशा देने वाली सखी मां नर्मदा ने ही साकार कराया है।

विकसित भारत के अग्रदूतों के भविष्य को संवारना

धर्मेंद्र प्रधान

इस वर्ष परीक्षा पे चर्चा का आयोजन भारत की शिक्षा यात्रा में शांत लेकिन निर्णायक परिवर्तन को रेखांकित करता है। माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में परिकल्पित यह पहल, जो 2018 में एक एकल वार्षिक संवाद के रूप में प्रारंभ हुई थी, आज स्वाभाविक रूप से एक जन आंदोलन का रूप ले चुकी है। अब यह एक राष्ट्रव्यापी सामूहिक प्रयास बन गई है, जिसमें विद्यार्थियों के समग्र कल्याण को केंद्र में रखा गया है और माता-पिता व शिक्षक इस साझा उत्तरदायित्व के सक्रिय सहभागी हैं।

इस वर्ष की सहभागिता का पैमाना इस पहल की गहराई को दर्शाता है। 4.5 करोड़ से अधिक पंजीकरणों के साथ परीक्षा पे चर्चा, पूर्व गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए अब जन-संपर्क से आगे बढ़कर सामूहिक स्वामित्व की एक महत्वपूर्ण अवस्था में प्रवेश कर चुकी है। यह अभूतपूर्व सहभागिता सक्षम वातावरण निर्मित करने के सामूहिक संकल्प को प्रतिबिंबित करती है, जहाँ प्रत्येक बच्चा सीख सके, विकसित हो सके और सही मायनों में फल-फूल सके।

प्रधानमंत्री के प्रेरक नेतृत्व का प्रदर्शन- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का शिक्षा, अध्ययन और परीक्षा से जुड़े तनाव जैसे विषयों पर विद्यार्थियों के साथ संवाद सहानुभूति, व्यवहारिकता और प्रेरक नेतृत्व का विशिष्ट समन्वय प्रस्तुत करता है। सरलता, अनुशासन, आशावाद और मानव क्षमता में गहरी आस्था से परिपूर्ण उनके व्यक्तित्व ने लाखों बच्चों के मन पर गहरा और स्थायी प्रभाव अंकित किया है। औपचारिक प्रोटोकॉल की जटिलताओं से परे जाकर विद्यार्थियों से मार्गदर्शक, मेंटर और शुभचिंतक के रूप में जुड़ने की सहज क्षमता प्रधानमंत्री को विशिष्ट बनाती है। उनकी संवादात्मक, कथात्मक और आत्मीय शैली विद्यार्थियों को यह अनुभव कराती है कि उनकी बातें सुनी और समझी जा रही हैं। वे गर्मजोशी, हास्य और प्रामाणिकता के साथ संवाद करते हैं तथा अक्सर अपने जीवन के अनुभवों से उदाहरण लेकर धैर्य, एकाग्रता और आत्मबल जैसे व्यापक जीवन मूल्यों को सरलता से प्रस्तुत करते हैं। यह व्यक्तिगत स्पर्श परीक्षा से जुड़े दबावों को सहज बनाते हुए आश्वस्त और सकारात्मक वातावरण का निर्माण करता है, जहाँ विद्यार्थी आत्मविश्वास के साथ सीखने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होते हैं।

प्रत्येक बच्चे की विशिष्टता की पहचान- इस प्रयास के केंद्र में एक सरल किंतु अत्यंत सशक्त सत्य निहित है: हर बच्चा विशिष्ट है। प्रत्येक बच्चा अलग तरह से सीखता है, अपनी गति से आगे बढ़ता है और अपने भीतर ऐसी प्रतिभाएँ समेटे होता है, जिन्हें अंकों या रैंक तक सीमित नहीं रखा जा सकता।

परीक्षाएँ अपनी प्रकृति के अनुसार, बच्चे की क्षमता के सीमित पहलू को ही दर्शाती हैं। समग्र व्यक्तित्व के निर्माण के माध्यम से ही उसकी वास्तविक सृजनात्मकता और उत्कृष्टता का विकास होता है। कोई बच्चा गणित में उत्कृष्टता दिखा सकता है, कोई कलात्मक कल्पना में निपुण हो सकता है, और कोई करुणा के साथ संवेदनशील चिकित्सक बनने की क्षमता रखता है। ये भिन्नताएँ किसी तरह की कमी नहीं हैं; बल्कि यही विविध, सशक्त और नवोन्मेषी समाज की आधारशिला हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के दर्शन का प्रतिबिंब- यह दर्शन राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के मूल में निहित है। इसके ढाँचे के अंतर्गत शिक्षण-पद्धतियों, पाठ्यक्रमों और मूल्यांकन प्रणालियों को एक वास्तविक बाल-केंद्रित दृष्टिकोण के अनुरूप पुनर्गठित किया जा रहा है, जहाँ शैक्षणिक अध्ययन के साथ-साथ सृजनात्मकता, आलोचनात्मक चिंतन, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, शारीरिक स्वास्थ्य और नैतिक मूल्यों के संवर्धन पर विशेष बल दिया गया है। प्रारंभिक वर्षों में खेल-आधारित शिक्षण पर इसका जोर इस तथ्य को स्वीकार करता है कि जिज्ञासा और आनंद ही आजीवन सीखने की सबसे सशक्त आधारशिलाएँ हैं।

शिक्षा के आरंभिक वर्षों में मातृभाषा में शिक्षा देने का उद्देश्य बच्चों को अवधारणाओं की बेहतर समझ प्रदान करना है, जबकि बहुभाषिकता पर दिया गया बल ऐसी पीढ़ी के निर्माण की परिकल्पना करता है जो अपनी सांस्कृतिक और भाषायी जड़ों के प्रति विश्वास रखती हो तथा भारतीय ज्ञान परंपराओं को वैश्विक मंच पर आगे बढ़ाने में सक्षम हो।

मूल्यांकन संबंधी सुधार भी इसी उद्देश्य को प्रतिबिंबित करते हैं। पहली बार कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाएँ अब वर्ष में दो बार आयोजित की जाएँगी, जिससे विद्यार्थियों को अपने प्रदर्शन में सुधार के लिए अधिक लचीलापन मिलेगा और उच्च-दबाव वाली एकल परीक्षा से जुड़ा तनाव कम होगा। 360-डिग्री समग्र प्रगति कार्ड लागू किए गए हैं, जो केवल बच्चे की शैक्षणिक उपलब्धियों का ही आकलन नहीं करते, बल्कि उसके सामाजिक-भावनात्मक और शारीरिक विकास को भी समग्र रूप से दर्ज करते हैं। यह स्वीकार करते हुए कि तंदुरुस्ती सीखने का अभिन्न अंग है, प्रत्येक सीबीएसई विद्यालय में सामाजिक-भावनात्मक परामर्शदाताओं की नियुक्ति अनिवार्य की गई है, जो विद्यार्थियों को शैक्षणिक और भावनात्मक तनाव के प्रबंधन में निरंतर सहयोग प्रदान करेंगे। अंत में, हमारे समक्ष उत्तरदायित्व स्पष्ट है—बच्चों को किसी एक साँचे में ढलने के लिए विवश नहीं करना चाहिए, बल्कि प्रत्येक बच्चे की विशिष्ट क्षमताओं को पहचानना, उनका समर्थन करना और उन्हें सुदृढ़ बनाना चाहिए।

समग्र रूप से सीखना - प्रमुख केंद्रबिंदु- आज की शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों, परीक्षाओं और रटने तक सीमित नहीं रह गई है। समग्रता से सीखने पर स्पष्ट रूप से ध्यान दिया जा रहा है। यह भली-भाँति समझा जा चुका है कि केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता विद्यार्थियों को 21वीं सदी की चुनौतियों के लिए तैयार नहीं करती। चिंता, भय या भावनात्मक तनाव के बोझ तले बच्चे सार्थक रूप से नहीं सीख सकते। भारत की सभ्यतागत परंपराएँ इस स्थिति से निपटने के लिए पूर्ण जागरूकता या माइंडफुलनेस, प्राणायाम और योग जैसे स्थायी साधन प्रदान करती हैं। ये अभ्यास बच्चों को अपनी भावनाओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद करते हैं और एकाग्रता, शांति और लचीलेपन का निर्माण करते हैं। परीक्षा की तैयारी में सहायक होने के अलावा, ये अभ्यास जीवन कौशल विकसित करते हैं जो कक्षा के परे भी काम आते हैं—ताकि शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ भावनात्मक बुद्धिमत्ता, प्रकृति के साथ संतुलन और आंतरिक जागरूकता को भी सुदृढ़ बनाया जा सके।

चुनौतियों का समाधान- फिर भी, हमें आज की एक विशिष्ट आधुनिक चुनौती—अत्यधिक डिजिटल उपयोग और स्क्रीन टाइम का सामना करना है । लंबे समय तक लगातार डिजिटल उपकरणों के संपर्क में रहने से ध्यान की क्षमता कम होती है, नींद में बाधा आती है और मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ता है। लगातार कनेक्टिविटी, ऑनलाइन तुलना और डिजिटल अतिप्रेरणा का दबाव अक्सर परीक्षा के तनाव को बढ़ा देता है और उस माइंडफुलनेस को कमजोर कर देता है, जिसे हम बच्चों में विकसित करना चाहते हैं। यहीं पर माता-पिता और शिक्षक मिलकर भूमिका निभा सकते हैं। उपकरणों के उपयोग के लिए सुरक्षित सीमाएँ तय करके, साथ ही शारीरिक गतिविधियों, सृजनात्मक प्रयासों और पारिवारिक संवाद जैसे विकल्पों के प्रति प्रोत्साहित करके हम पुन: संतुलन स्थापित कर सकते हैं।

बच्चे - प्रगति के अग्रदूत- विकसित भारत के लिए सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता आवश्यक है। जब बच्चे अपनी विशिष्ट क्षमताओं को खोजने और उनका विकास करने के लिए स्वतंत्र होते हैं, तो राष्ट्र सृजनात्मकता, समावेशिता और सामूहिक प्रगति के माध्यम से आगे बढ़ता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस युग में जिज्ञासा और समस्या-समाधान के बीच का फासला घट गया है। शिक्षकों, माता-पिता और संरक्षकों के रूप में हमारे लिए यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि बच्चे इस खोज में सक्षम बन सकें। इसके लिए आवश्यक है कि बच्चों को सही उपकरण, स्पष्ट सुरक्षा प्रदान की जाए तथा प्रयोग करने, नवाचार करने यहाँ तक कि असफल होने तक की स्वतंत्रता देते हुए उनका निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग किया जाए।

अनार का जूस से सुधारें
दिल की सेहत

अनार के रस के सेवन का एक लाभ यह भी है कि यह रक्त में शर्करा के स्तर को नहीं बढ़ाता, जबकि अन्य फलों के रस का सेवन करने से ऐसा होता है। इसलिए मधुमेह से पीड़ित व्यक्ति भी इसका सेवन बेफिक्र होकर कर सकते हैं।

इस बात से तो हम सभी वाकिफ है कि फलों का सेवन स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। लेकिन अक्सर देखने में आता है कि लोग हमेशा फलों के रस की बजाय उन्हें यूं ही खाने की सलाह देते हैं क्योंकि इससे उनके स्वास्थ्य लाभ काफी कम हो जाते हैं। दरअसल, अधिकतर फलों के छिलकों में एंटी-ऑक्सीडेंट्स प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं और जब उनका रस निकाला जाता है तो वह एंटी-ऑक्सीडेंट्स भी निकल जाते हैं। लेकिन अनार के रस के साथ ऐसा नहीं होता। अनार का रस भी सेहत के लिए उतना ही लाभकारी है, जितना इसके दानों का सेवन करना। तो चलिए आज हम आपको अनार के रस से होने वाले कुछ स्वास्थ्य लाभों के बारे में बता रहे हैं-

अनार का रस दिल की सेहत के लिए काफी अच्छा माना जाता है। यह धमनियों में रूकावट के जोखिम को कम करता है। जिससे हृदय या मस्तिष्क तक रक्त का प्रवाह बेहतर तरीके से होता है। इसके अतिरिक्त यह खराब कोलेस्टॉल की मात्रा को भी कम करता है तथा अच्छे कोलेस्टॉल की मात्रा को बढ़ाता है।

बनाए रखे ब्लड शुगर लेवल

अनार के रस के सेवन का एक लाभ यह भी है कि यह रक्त में शर्करा के स्तर को नहीं बढ़ाता, जबकि अन्य फलों के रस का सेवन करने से ऐसा होता है। इसलिए मधुमेह से पीड़ित व्यक्ति भी इसका सेवन बेफिक्र होकर कर सकते हैं।

कम करें रक्तचाप

जिन लोगों को हाई ब्लड प्रेशर की समस्या रहती है, उन्हें अनार के रस का सेवन करना चाहिए। दरअसल, यह एक प्राकृतिक एस्पिरिन है, जो रक्त के जमाव और रक्त के थक्का बनने से रोकता है। साथ ही यह रक्त को पतला करके उसके प्रवाह को बेहतर बनाता है, जिससे व्यक्ति को ब्लड प्रेशर की समस्या नहीं होती।

दस्त में लाभदायक

अनार के रस का इस्तेमाल दस्त के उपचार के रूप में भी किया जा सकता है। दरअसल, यह एंजाइम्स के स्राव में अहम भूमिका निभाता है और पाचन प्रक्रिया को सही करता है। अगर किसी व्यक्ति को अपच की शिकायत हो तो उसे एक टीस्पून शहद का सेवन एक गिलास अनार के रस में मिलाकर करना चाहिए।

बढ़ाए इम्युनिटी

अनार के रस में एंटी-बैक्टीरिल और एंटी-माइक्रोबियल गुण होते हैं, जो वायरस व बैक्टीरिया से लड़ने में मददगार होते हैं। साथ ही प्रतिरक्षा प्रणाली को भी मजबूत बनाते हैं। इतना ही नहीं, इसके एंटी-माइक्रोबियल गुण इसे एचआईवी संचरण का अवरोधक भी बनाते हैं। आपको शायद पता न हो लेकिन अनार एक ऐसा फल है, जिसमें एचआईवी के संचरण को रोकने की क्षमता सबसे अधिक है।

पाचन तंत्र के लिए रामबाण से कम नहीं है वज्रासन

वज्रासन करने के लिए घुटनों के बल जमीन पर बैठ जाएं। इस दौरान दोनों पैरों के अंगुठों को साथ में मिलाएं और एड़ियों को अलग रखें। अब अपने नितंबों को एड़ियों पर टिकाएं। साथ ही अपनर हथेलियां को घुटनों पर रख दें। इस दौरान अपनी पीठ और सिर को सीधा रखें। योगा का वास्तविक लाभ तभी मिलता है, जब उसे करते समय नियमों व सावधानी पर गौर किया जाए। आमतौर पर योगासनों को खाली पेट या सुबह के समय करने की सलाह दी जाती है। लेकिन वज्रासन अकेला ऐसा आसन है, जिसे आप खाना खाने के तुरंत बाद कर सकते हैं। इतना ही नहीं, अगर आप खाने के बाद वज्रासन का अभ्यास करते हैं तो इससे भोजन के पाचन में भी आसानी होती है। तो चलिए जानते हैं वज्रासन करने का तरीका और उससे होने वाले लाभों के बारे में-

वज्रासन करने के लिए घुटनों के बल जमीन पर बैठ जाएं। इस दौरान दोनों पैरों के अंगुठों को साथ में मिलाएं और एड़ियों को अलग रखें। अब अपने नितंबों को एड़ियों पर टिकाएं। साथ ही अपनर हथेलियां को घुटनों पर रख दें। इस दौरान अपनी पीठ और सिर को सीधा रखें। ध्यान रखें कि इस दौरान आपके दोनों घुटने आपस में मिले हों। अब अपनी आंखें बंद कर लें और सामान्य रूप से सांस लेते रहें। इस अवस्था में जब तक संभव हो, आप बैठने का प्रयास करें।

जानें फायदे

वज्रासन पाचन तंत्र के लिए किसी रामबाण से कम नहीं है। जो लोग नियमित रूप से इसका अभ्यास करते हैं, उन्हें पाचन संबंधी समस्याएं जैसे कब्ज, एसिडिटी और अल्सर आदि की समस्या नहीं होती। इसके अतिरिक्त इस आसन के अभ्यास के दौरान व्यक्ति का पूरा शरीर खासतौर से पीठ तनी होती है, जिससे व्यक्ति की पीठ सुदृढ़ होती है और पीठ के निचले हिस्से की समस्या और साइटिका की समस्या से राहत दिलाता है। अमूमन लोग पद्मासन में बैठकर ध्यान करते हैं, लेकिन आप व्रजासन में बैठकर भी ध्यान कर सकते हैं। इससे भी आपको लाभ होगा।

वैसे तो यह आसन हर किसी के लिए लाभदायक है, लेकिन महिलाओं को इससे विशेष फायदा होता है। सबसे पहले तो यह मासिक धर्म के दौरान होने वाले दर्द और ऐंठन को कम करता है। वहीं अगर कोई स्त्री गर्भवती है तो उसे भी प्रसव के दौरान पीड़ा कम होती है।

बरतें सावधानी

वैसे तो वज्रासन का अभ्यास कोई भी व्यक्ति कभी भी कर सकता है। लेकिन फिर भी इसका अभ्यास करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। सबसे पहले तो इसका अभ्यास करते हुए अपने बॉडी पॉश्चर पर ध्यान दें। इसके अतिरिक्त अगर आपके घुटनों में कोई समस्या है या हाल ही में घुटने की सर्जरी हुई है, तो यह आसन न करें। वहीं रीढ़ की हड्डी में समस्या, हर्निया, आंतों में अल्सर होने पर भी विशेषज्ञ की देखरेख के बिना इस आसन का अभ्यास नहीं करना चाहिए।

छोटे बच्चे स्वभाव से बेहद मासूम होते हैं और अधिक भावुक होने के कारण वह किसी भी बात को बेहद जल्द अपने दिल से लगा लेते हैं। लेकिन जो बच्चे नियमित रूप से मेडिटेशन करते हैं, वह अपनी भावनाओं पर काफी हद तक नियंत्रण करने में सक्षम हो जाते हैं।

बच्चों के लिए भी बेहद लाभदायक है मेडिटेशन

मेडिटेशन से होने वाले फायदे किसी से छिपे नहीं हैं। आज के समय में जब हर व्यक्ति किसी न किसी तरह के तनाव से जूझ रहा है तो मानसिक शांति प्राप्त करने के लिए मेडिटेशन का अभ्यास बेहद फायदेमंद होता है। वैसे यह सिर्फ व्यस्क के लिए ही लाभदायक नहीं है, बल्कि इससे बच्चों को भी उतना ही फायदा होता है। तो चलिए जानते हैं मेडिटेशन से बच्चों को होने वाले कुछ लाभों के बारे में

तनाव में कमी

मेडिटेशन का एक सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह तनाव कम करने में बेहद प्रभावी है। चूंकि आज के समय में बच्चे पढ़ाई व अन्य कई एक्टिविटी में अच्छा परफार्म करने के मानसिक दबाव में होते हैं। कई बार पीयर प्रेशर भी उनके तनाव का कारण बनता है। इस प्रकार अगर वह मेडिटेशन करते हैं तो इससे तनाव कम होता है और मन को शांति मिलती है।

अधिक आत्मविश्वासी

जब बच्चा मेडिटेशन करता है तो इससे उसका दिमागी विकास होता है। जिसके कारण बच्चे में आत्म जागरूकता व आत्मविश्वास जैसे गुणों का विकास होता है। जब एक बच्चा अधिक आत्मविश्वासी बनता है तो उसका सकारात्मक असर उसके हर क्षेत्र में दिखाई देता है। इसलिए यह बेहद आवश्यक है कि बच्चों को मेडिटेशन करने की आदत डाली जाए। हालांकि इसके लिए जबरदस्ती न करें, बल्कि उसे इसके फायदे बताएं ताकि वह खुद-ब-खुद मेडिटेशन करने के लिए प्रोत्साहित हो।

बेहतर विकास

बच्चों के बेहतर विकास में मेडिटेशन एक अहम भूमिका निभा सकता है। इससे मन तो रिलैक्स होता है ही, साथ ही इससे बच्चे की मेमोरी व एकाग्रता दोनों बेहतर होती है। जिससे बच्चे पढ़ाई से लेकर खेलकूद में बेहतर परफॉर्म कर सकते हैं। इतना ही नहीं, मानसिक रूप से स्थिर व शांत होने के कारण वह विपरीत परिस्थितियों में भी घबराते नहीं है और बेहतर निर्णय करते हैं। इस प्रकार उनके निर्णय करने की क्षमता में भी सुधार होता है।

भावनाओं पर नियंत्रण

छोटे बच्चे स्वभाव से बेहद मासूम होते हैं और अधिक भावुक होने के कारण वह किसी भी बात को बेहद जल्द अपने दिल से लगा लेते हैं। लेकिन जो बच्चे नियमित रूप से मेडिटेशन करते हैं, वह अपनी भावनाओं पर काफी हद तक नियंत्रण करने में सक्षम हो जाते हैं। ऐसे बच्चे पहले स्थिति को अच्छे से समझते हैं और उसके बाद ही रिएक्ट करते हैं। ऐसे बच्चे न तो छोटी-छोटी बातों पर जिद करते हैं और न ही हर बात पर गुस्सा।

कद्दू के बीजों को बनाएं अपनी डाइट का हिस्सा

कद्दू के बीज हर किसी के लिए लाभकारी है, लेकिन पुरूषों को तो इस अवश्य डाइट में शामिल करना चाहिए। दरअसल, कद्दू के बीज में जिंक पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है और इसका सेवन करने से पुरुषों की शारीरिक कमजोरी को दूर किया जा सकता है। कद्दू को अधिकतर घरों में सब्जी के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन इसके बीजों को लोग बेकार समझकर बाहर फेंक देते हैं। आपको शायद पता न हो लेकिन कद्दू के बीज उसकी ही तरह स्वास्थ्यवर्धक होते हैं। कद्दू के बीजों में कई पोषक तत्व जैसे मैग्नीशियम, प्रोटीन, फाइबर, जिंक आदि पाया जाता है। इसलिए इसके बीजों को कूड़े में फेंकने की बजाय अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं। तो चलिए जानते हैं कद्दू के बीजों से होने वाले लाभों के बारे में

हृदय का ख्याल

कद्दू के बीज हृदय के लिए काफी अच्छे माने जाते हैं। दरअसल, कद्दू के बीजों में पर्याप्त मात्रा में मैग्नीशियम पाया जाता है, जो न सिर्फ हृदय संबंधी रोगों के उपचार में मदद करता है, बल्कि हृदय समस्याएं होने की संभावनाओं को भी कम करता है। इतना ही नहीं, अगर आप कद्दू के बीज का सेवन करते हैं तो इससे ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल में रहता है।

मधुमेह रोगी के लिए लाभदायक

अगर आप मधुमेह रोगी हैं तो आपको कद्दू के बीजों का सेवन अवश्य करना चाहिए। कद्दू के बीज रक्त में शर्करा के स्तर को नियंत्रित करते हैं, इसलिए इसका सेवन आपके मधुमेह को नियमित करने में मदद करेगा।

पाचन में सहायक

कद्दू के बीज पाचनतंत्र के लिए भी लाभकारी माने गए हैं। कद्दू के बीज में फाइबर पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है जो कब्ज से छुटकारा दिला सकता है। इतना ही नहीं, इसके सेवन से एसिडिटी व अन्य पाचन संबंधी परेशानियों से निजात मिलती है।

बेहतर इम्युन सिस्टम

अगर व्यक्ति का इम्युन सिस्टम बेहतर हो तो वह बहुत सी बीमारियों से स्वत: ही बच सकता है। आप भी इम्युन सिस्टम को बेहतर बनाना चाहते हैं तो कद्दू के बीज खाना शुरू करें। इसमें पाया जाने वाला जिंक इम्युन सिस्टम को मजबूत बनाने में मददगार है।

अवश्य खाएं पुरूष

वैसे तो कद्दू के बीज हर किसी के लिए लाभकारी है, लेकिन पुरूषों को तो इस अवश्य डाइट में शामिल करना चाहिए। दरअसल, कद्दू के बीज में जिंक पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है और इसका सेवन करने से पुरुषों की शारीरिक कमजोरी को दूर किया जा सकता है। इतना ही नहीं, पुरूषों में प्रोस्टेट ग्रंथि को मजबूत करने के लिए भी कद्दू के बीज को डाइट में शामिल करना जरूरी है।

दूर करें तनाव

वैसे तो आजकल हर कोई तनावग्रस्त रहता है, लेकिन अगर आप कद्दू के बीज का सेवन करते हैं तो इससे न सिर्फ तनाव कम होता है, बल्कि इससे नींद भी अच्छी आती है।

लिवर ट्रांसप्लांट से जुड़ी यह बातें जानना है बेहद आवश्यक

लिवर ट्रांसप्लांट के बाद व्यक्ति को अपने लाइफस्टाइल को बदलने की आवश्यकता होती है। रेग्युलर एक्सरसाइज व हेल्दी डाइट को अपने लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाएं। फिजिकली हेल्दी होने पर ट्रांसप्लांट के रिजेक्शन की संभावना काफी कम हो जाती है।

जब किसी व्यक्ति का लिवर फेल हो जाता है या फिर सही तरह से काम करना बंद कर देता है तो व्यक्ति को लिवर ट्रांसप्लांट की जरूरत पड़ती है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति के खराब लिवर को सर्जरी द्वारा हटाकर उसके स्थान पर एक स्वस्थ लिवर को प्रतिस्थापित कर दिया जाता है। लिवर ट्रांसप्लांट के लिए एक लिवर डोनर की जरूरत पड़ती है, हालांकि यह जरूरी नहीं है कि डोनर जीवित ही हो। हालांकि लिवर ट्रांसप्लांट करवाना इतना भी आसान नहीं है, इसलिए इस ट्रांसप्लांट से पहले आपको इसकी पूर्ण जानकारी होनी चाहिए-

फेल होने की संभावना - ऐसा जरूरी नहीं है कि लिवर ट्रांसप्लांट हर बार सफल ही हो। कई बार ऑपरेशन फेल भी हो सकता है, इस स्थिति में आपका शरीर नए लिवर को रिजेक्ट कर देता है। इतना ही नहीं, लिवर ट्रांसप्लांट हाई रिस्क इंफेक्शन का कारण बन सकता है।

नहीं हो सकता लिवर ट्रांसप्लांट - वैसे तो लिवर के खराब होने पर लिवर ट्रांसप्लांट की सलाह दी जाती है, लेकिन अगर आपके शरीर के किसी अन्य भाग में कैंसर है या फिर सीरियस हार्ट, लंग और नर्व डिसीज है तो आप लिवर ट्रांसप्लांट नहीं करवा सकते।

रिकवरी टाइम - लिवर ट्रांसप्लांट के बाद डोनर और प्राप्तकर्ता दोनों को रिकवरी के लिए समय की जरूरत होती है। वैसे तो दोनों को ही औसतन अस्पताल में सात दिनों तक रहना पड़ता है। इसके बाद डोनर को रिकवरी के लिए लगभग दो महीने का समय लगता है, वहीं प्राप्तकर्ता को रिकवर होने में लगभग छह से बारह महीने लगते हैं।

लाइफस्टाइल बदलना - लिवर ट्रांसप्लांट के बाद व्यक्ति को अपने लाइफस्टाइल को बदलने की आवश्यकता होती है। रेग्युलर एक्सरसाइज व हेल्दी डाइट को अपने लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाएं। फिजिकली हेल्दी होने पर ट्रांसप्लांट के रिजेक्शन की संभावना काफी कम हो जाती है। इसके अलावा अल्कोहल व स्मोकिंग को छोड़कर व मोटापा और उच्च कोलेस्ट्रॉल को दूर रखकर भी हेल्दी लाइफ जी सकते हैं।

कोई लक्षण नहीं - अगर लिवर ट्रांसप्लांट को शरीर रिजेक्ट कर देता है तो इसका कोई लक्षण नजर नहीं आता। इस रिजेक्शन को लिवर एंजाइम के रक्त के स्तर में वृद्धि से पकड़ा जा सकता है। इसके अलावा रिजेक्शन के कारण आप खुद को बीमार महसूस करते हैं और आपको मतली, पेट में दर्द, बुखार, त्वचा का पीला होना आदि लक्षण दिखाए देते हैं।

संक्षिप्त समाचार

ग्राम स्तर पर विशेष शिविरों का 28 फरवरी तक होगा आयोजन

बिना किसान आईडी के नहीं मिलेगी पीएम किसान सम्मान निधि की 22वीं किश्त

मुंगेली(समय दर्शन)प्रधानमंत्री गतिशक्ति योजना के अंतर्गत एग्रीस्टैक परियोजना के माध्यम से देशभर में किसानों के हित में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को सशक्त किया जा रहा है। इस परियोजना के तहत सभी कृषि भूमिधारकों के लिए फार्मर लैंड आईडी एवं किसान पहचान पत्र तैयार किया जाना अनिवार्य है, ताकि किसानों को शासन की योजनाओं का सीधा और पारदर्शी लाभ मिल सके। इसी तारतम्य में शेष किसानों के पंजीयन को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के उद्देश्य से 28 फरवरी तक ग्राम स्तर पर विशेष पंजीयन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

कृषि विभाग के उपसंचालक ने बताया कि जिले में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत कुल 93 हजार 696 लाभार्थी कृषकों में से अब तक 78 हजार 503 किसानों का पंजीयन पूर्ण किया जा चुका है, जबकि 15 हजार 193 किसानों का पंजीयन अभी शेष है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 22वीं किस्त का भुगतान केवल उन्हीं किसानों को किया जाएगा, जिनकी किसान आईडी तैयार हो चुकी है। ऐसे में जिन किसानों ने अब तक पंजीयन नहीं कराया है, वे शीघ्र पंजीयन सुनिश्चित कराएं। अधिक जानकारी के लिए किसान कृषि विभाग के मैदानी अमले अथवा कार्यालयीन वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं।

जांजगीर में रेल ओव्हर ब्रिज निर्माण को लेकर होगा जन आंदोलन

जांजगीर-चांपा।// समय दर्शन// जांजगीर-नैला रेलवे स्टेशन के पश्चिम केबिन पर प्रस्तावित रेल ओव्हर ब्रिज निर्माण सहित अन्य लंबित मांगों को लेकर एक बार फिर जन आंदोलन की घोषणा की गई है। इस संबंध में जिला प्रशासन एवं डी.आर.एम. बिलासपुर को विधिवत् सूचना दी गई है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए जांजगीर-चांपा विधायक ब्यास कश्यप ने बताया कि जांजगीर-नैला रेलवे स्टेशन क्षेत्र में रेल ओव्हरब्रिज निर्माण, स्टेशन की मूलभूत सुविधाओं के विस्तार, गोंडवाना एक्सप्रेस एवं साउथ बिहार एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव तथा मिशन अस्पताल चांपा समपार में अंडरब्रिज निर्माण जैसी मांगों को लेकर पूर्व में जनांदोलन किया गया था। उस समय रेल प्रशासन एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों से हुई वार्ता के बाद आंदोलन को स्थगित कर दिया गया था। वार्ता में 06 माह के भीतर रेल ओव्हर ब्रिज निर्माण प्रारंभ करने और जांजगीर-नैला रेलवे स्टेशन पर प्रमुख एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव पर सहमति बनी थी। हालांकि अब तक इन वादों पर अमल की दिशा में कोई ठोस पहल नही होने से स्थानीय लोगों में गहरा रोष व्याप्त है। प्रशासनिक स्तर पर एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालने के कारण स्थिति जस की तस बनी हुई है। इससे आक्रोशित होकर स्थानीय नागरिकों ने सर्व सम्मति से निर्णय लिया है कि 6 मार्च 2026 को पुन: जनांदोलन किया जाएगा। आंदोलन के तहत जांजगीर-नैला रेलवे स्टेशन के पश्चिम फाटक पर चक्काजाम करने की भी घोषणा की गई है। आंदोलनकारियों का कहना है कि जब तक रेल ओव्हरब्रिज निर्माण सहित अन्य मांगों पर ठोस कार्यवाही शुरू नही होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि जनता की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र समाधान सुनिश्चित की जाए।

किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने कृषि विभाग की महत्वपूर्ण पहल

खरीफवर्ष 2026 हेतु 1 फरवरी से 31 मई तक रासायनिक उर्वरकों का अग्रिम उठाव प्रारंभ

जांजगीर-चांपा/ खरीफ वर्ष 2026 की खेती को सुचारु एवं समयबद्ध रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा रासायनिक उर्वरकों के अग्रिम उठाव की प्रक्रिया 1 फरवरी से 31 मई 2026 तक प्रारंभ कर दी गई है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य खरीफमौसम के दौरान किसानों को उर्वरकों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करना, संभावित कमी से बचाव करना तथा वितरण व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाए रखना है। उप संचालक कृषि ने बताया कि खरीफ वर्ष 2026 के लिए कुल 19,700 मीट्रिक टन रासायनिक उर्वरकों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। निर्धारित लक्ष्य के अंतर्गत यूरिया 9,200 मीट्रिक टन, डीएपी 5,500 मीट्रिक टन, एनपीके 2,500 मीट्रिक टन, एमओपी 500 मीट्रिक टन तथा एसएसपी 2,000 मीट्रिक टन उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

फाइलेरिया उन्मूलन हेतु सामूहिक दवा सेवन अभियान: 10 से 25 फरवरी तक

जिले में 08 लाख 51 हजार 895 से अधिक लोगों को खिलाई जाएगी दवा

मुंगेली(समय दर्शन)प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुरूप देश को 2030 तक फाइलेरिया (हाथी पांव) जैसी गंभीर बीमारी मुक्त बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में 10 फरवरी से 25 फरवरी तक सामूहिक दवा सेवन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा ने बताया कि अभियान अंतर्गत 02 वर्ष से कम आयु के बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को छोड़कर सभी नागरिकों को डी.ई.सी., एल्बेंडाजोल एवं आईवरमेक्टिन दवा का संयुक्त रूप से सेवन कराया जाएगा। जिले में 08 लाख 51 हजार 895 से अधिक लोगों को दवा खिलाई जाएगी।

डीपीएम गिरीश कुर्रे ने बताया कि 01 हजार 790 दल के 03 हजार 580 से अधिक सदस्यों द्वारा दवा सेवन कराया जाएगा। इसके लिए जिले में कुल 01 हजार 620 बूथ बनाए गए हैं। मुंगेली विकासखण्ड में 660 बूथ, लोरमी विकासखण्ड में 560 बूथ और पथरिया विकासखण्ड में 400 बूथ बनाए गए हैं। अभियान के दौरान प्रथम चरण अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा 10 से 12 फरवरी तक स्कूलों, महाविद्यालयों, आंगनबाड़ियों आदि शैक्षणिक संस्थानों में दवा सेवन कराया जाएगा। इसी तरह द्वितीय चरण में 13 से 22 फरवरी तक घर-घर जाकर तथा 23 से 25 फरवरी तक छूटे हुए लोगों को मापअप राउंड अंतर्गत दवा सेवन कराया जाएगा। अभियान की निगरानी के लिए आएचओ, सीएचओ व मितानिनों सहित 358 पर्यवेक्षकों और 72 सेक्टर पर्यवेक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है।

महाशिवरात्रि मालखरौदा में भव्य शिव बारात की आयोजन 15 फरवरी को होगी

जांजगीर// समय दर्शन //महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर शिव बारात आयोजन की तैयारी को लेकर दिनांक 08/02/2026 को शिव बारात आयोजन समिति एवं बोल बम कांवरिया संघ मालखरौदा का अंतिम बैठक ग्राम कलमी में संपन्न हुआ।

बैठक में भव्य शिव बारात की तैयार को लेकर विशेष चर्चा किया गया जिसमें भरपूर मात्रा में झाकी, बजा गाजा, रथ, लाइट आदि की व्यवस्था की जा रही है और पूरे क्षेत्र भर में निमंत्रण प्रचार प्रसार की तैयारी अंतिम रूप ले रही है।

मालखरौदा शिव बारात में दूर दराज सहित हजारों शिव भक्त बाराती और घराती बनने शामिल होते है। इस वर्ष विशेष और भव्य शिव बारात आयोजन को लेकर आयोजन समिति दिन रात एक कर रही है।

वही क्षेत्र भर से पधारे सभी शिव भक्तों के लिए प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रीमान जितेंद्र विजय बहादुर सिंह राजा साहब एवं राज परिवार मालखरौदा द्वारा विशाल भोजन भंडारा प्रसाद व्यवस्था की जा रही है।

आयोजन समिति द्वारा प्रशासनिक और भरपूर पुलिस सुरक्षा बल हेतु शासन प्रशासन से मांग भी किया गया है।

अयोजन समिति द्वारा निधि संग्रहण हेतु सभी की सहभागिता बराबर रखी गई है और ऑनलाइन सहयोग के लिए श्री लालू गबेल सामाजिक कार्यकर्ता मालखरौदा के बैंकिंग बार कोड और मोबाइल नंबर अधिकृत किया गया है तथा रथ, लाइट ,बाजा गाजा, डीजे, झाकी वाले श्री शेखर गबेल मिशन चौक से संपर्क करेंगे।

आयोजन समिति द्वारा बारात में पधारे पूरे क्षेत्र भर के सभी श्रद्धालुओं को हर तरह से व्यवस्था में सहयोग प्रदान करने अपील किया गया है।

शिव बारात आयोजन समिति मालखरौदा द्वारा सार्वजनिक रूप से सभी क्षेत्र वासियों को झारा झारा नेवता दिया गया है। आने वाली 15 फरवरी रविवार को शाम 4 बजे से ओंगनपाठ देव स्थल मिशन चौक से शिव बारात की शुभारंभ होगी जो कलमी, बीरभांठा चौक होते हुए मालखरौदा बस्ती स्थित श्री राम जानकी मंदिर में संपन्न होगी।

कलेक्टर ने विभिन्न कार्यालयों का किया औचक निरीक्षण

अनुपस्थित 25 अधिकारी-कर्मचारियों को नोटिस जारी करने व एक दिन का वेतन काटने के दिए निर्देश

मुंगेली(समय दर्शन)कलेक्टर कुन्दन कुमार ने आज जिला कलेक्टोरेट स्थित विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने नजूल शाखा, भू-अभिलेख शाखा, शिक्षा विभाग, डीएमएफ शाखा, डिजिटल अभिलेखागार, खेल विभाग, नागरिक आपूर्ति निगम कार्यालय, खाद्य विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, सहकारिता विभाग, आदिवासी विकास विभाग, अंत्यावसायी विभाग, रीडर व आवक-जावक शाखा, समाज कल्याण विभाग, वरिष्ठ लिपिक शाखा, शिकायत शाखा, स्थापना शाखा, अधीक्षक कक्ष, आबकारी विभाग सहित विभिन्न विभागों के कार्यालय का निरीक्षण किया और कार्यालयीन कार्यप्रणाली, कर्मचारियों की उपस्थिति आदि का जायजा लिया और समयबद्धता के साथ कार्यालयीन कार्यों में पारदर्शिता लाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान समय पर कार्यालय नहीं पहुंचने वाले अधिकारी-कर्मचारियों पर कड़ी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने अनुपस्थित 25 अधिकारी-कर्मचारियों को नोटिस जारी करने के साथ ही एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। उन्होंने समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक नदीम काजी, अंत्यावसायी विभाग के कार्यपालन अधिकारी देवेन्द्र जांगड़े, जिला उद्योग विभाग केन्द्र के महाप्रबंधक किशोर राजपूत व सहायक प्रबंधक उत्तम दुबे, भू-अभिलेख शाखा के अधीक्षक रिचा गुप्ता व सहायक अधीक्षक भूमिका तिवारी और विभिन्न विभागों के सहायक ग्रेड 02 व 03, स्टेनोटायपिस्ट और डाटा एन्ट्री आपरेटर को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होने कहा कि कार्यालयों की कार्यक्षमता और आमजन की सुविधा के लिए अनुशासन एवं समयपालन बेहद जरूरी है। लापरवाही पाए जाने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत बार में सड़क की बदहाली से ग्रामीण परेशान, सीसी रोड निर्माण के लिए जिला कलेक्टर से गुहार

सारंगढ़-बिलाईगढ़-टारजन महेश (समय दर्शन)बरमकेला अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत बार के ग्रामीणों ने मूलभूत सुविधाओं के अभाव में मोर्चा खोल दिया है। सोमवार, 9 फरवरी 2026 को वार्ड क्रमांक 12 डिपापारा के पंचों और ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर के नाम एक ज्ञापन सौंपकर गांव के मुख्य मार्ग पर सीसी रोड निर्माण की तत्काल मांग की है।

बरसात में नारकीय हो जाते हैं हालात-ग्रामीणों का कहना है कि वार्ड नंबर 12 में सड़क की स्थिति अत्यंत दयनीय है। मिट्टी और उबड़-खाबड़ रास्ता होने के कारण बारिश के दिनों में यह पूरा इलाका दलदल में तब्दील हो जाता है। कीचड़ और जलभराव की वजह से बच्चों को स्कूल जाने, बुजुर्गों को अस्पताल ले जाने और दैनिक आवाजाही में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने आक्रोश जताते हुए कहा कि लंबे समय से इस समस्या की अनदेखी की जा रही है।

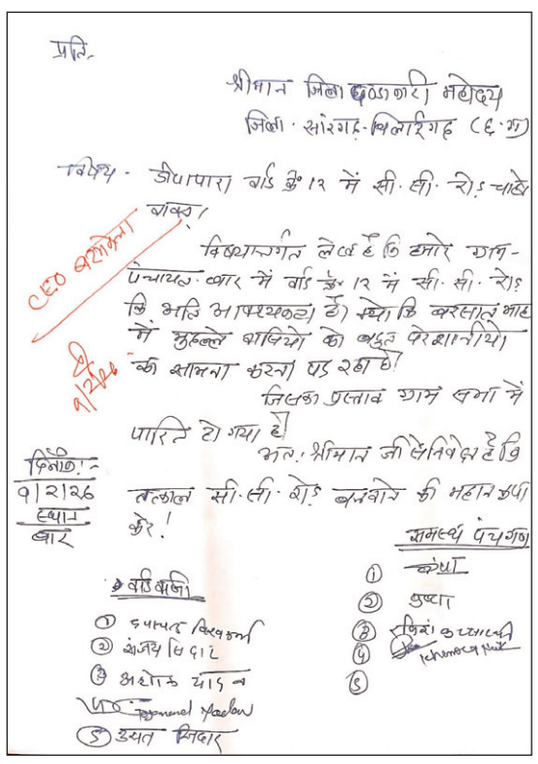

ग्राम सभा में प्रस्ताव पारित, फिर भी काम अधूरा- आवेदन में इस बात का स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि सड़क निर्माण का प्रस्ताव ग्राम सभा में सर्वसम्मति से पारित किया जा चुका है। इसके बावजूद जमीनी स्तर पर कार्य शुरू नहीं हो सका है। इसी को ध्यान में रखते हुए वार्ड के पंचों और जागरूक नागरिकों ने उच्च अधिकारियों तक अपनी आवाज पहुँचाई है।

सीईओ बरमकेला को भी किया गया निर्देशित- आवेदन पत्र पर जिला प्रशासन की ओर से त्वरित संज्ञान लेते हुए इसे सीईओ बरमकेला को अग्रेषित किया गया है, ताकि सड़क निर्माण की तकनीकी औपचारिकताओं को जल्द पूरा कर निर्माण कार्य शुरू कराया जा सके।

?इन जनप्रतिनिधियों ने उठाई आवाज

?इस मांग को लेकर वार्ड पंच और ग्रामीणों ने सामूहिक हस्ताक्षर कर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें प्रमुख रूप से निम्नलिखित नाम शामिल हैं:

वार्ड पंच: दयाचंद विश्वकर्मा, संजय सिदार, अशोक यादव, ब्रह्मानंद यादव, उग्रत सिदार।

समस्त पंचगण: चंपा, पुष्पा, रश्मि कश्यप, खेमराज नायक एवं अन्य।

प्राचार्य की पदस्थापना निरस्त, शिक्षकों-छात्रों के विरोध ने बदला प्रशासन का फैसला

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला मुख्यालय स्थित पीएमसी स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी मध्य विद्यालय में प्राचार्य कुर्सी को लेकर चल रही जंग के बीच पहले स्कूल स्टा फ और बाद में स्कूली बच्चों के विरोध के चलते शिक्षा विभाग ने मामले की पूरी तरह जांच किए बिना ही प्राचार्य को हटा दिया। शुक्रवार को मामले की शिकायत आने पर जांच के लिए प्रशासन ने तीन सदस्य टीम गठित की थी, सोमवार को ये टीम जांच के लिए पहुंचती उसके पहले ही सुबह अचानक सैकड़ों स्कूली बच्चे रैली के सकल में कलेक्ट्रेट घेराव के लिए पहुंच गए। जिसके चलते प्रशासन ने आने वाली परीक्षा के मद्देनजर स्कूल में शांति व्यवस्था बनाने के उद्देश्य से तात्कालिक रूप से प्राचार्य को हटाना ही सही समझा। हालांकि जो जांच समिति पहले प्राचार्य के खिलाफ की गई शिकायतों के विरुद्ध जांच के लिए बनाई गई थी अब वही समिति शिक्षिकाओं के वायरल वीडियो की जांच करेगी।

इधर अचानक स्कूली बच्चों के रैली निकालने को लेकर प्रशासन में हड़कंप मच गया। बच्चों के इस रैली की कानों कान किसी को खबर तक नहीं लगी। वहीं तख्ती लेकर सड़क में उतरे बच्चों को देखकर हर कोई हैरान था। हाई स्कूल से करीब 2 किलोमीटर दूर शहर के व्यवस्तम

मार्ग नेशनल हाईवे से बच्चो की रैली नारेबाजी करते कलेक्ट्रेट पहुंची। इस दौरान बच्चे खुद अपने मोबाइल से रैली का फोटो वीडियो बनाते दिखे। कलेक्ट्रेट में गेट में ही बच्चों के रोक दिया गया। यहां अपर कलेक्टर पंकज डाहिरे ने उनसे चर्चा की और मामले की जांच का आश्वासन दिया। मौके पर एसडीएम हितेश्वरी बागे और शिक्षा विभाग अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे। बच्चों को समझाइश देकर प्रशासन ने बस की व्यवस्था कर वापिस स्कूल भेजा।बताया जाता है कि इसी दौरान एक जनप्रतिनिधि ने सीधे शिक्षा मंत्री को फोन घुमा दिया, जिसके बाद प्राचार्य को हटाने के निर्देश आ गए। कुछ देर बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने प्राचार्य के हटाने का आदेश जारी किया और स्वयं स्कूल पहुंच स्टाफ को इसकी जानकारी दी।

बच्चों के कलेक्ट्रेट पहुंचे की जांच शुरू- इधर, बच्चों के अचानक सड़क में उतर जाने को लेकर नाराज जिला प्रशासन ने इस बात की भी जांच शुरू कर दी कि आखिर बच्चों को कलेक्टर जाने की नसीहत किसने दी। बच्चे स्कूल प्रबंधन और अपने विभाग को बिना जानकारी दिए ही कलेक्ट पहुंच गए थे। वहीं सूत्रो से पता चला है कि कलेक्ट्रेट जाने से पहले दो युवक स्कूल के बाहर बच्चों की समझा रहे थे। रास्ते में भी रैली के आगे पीछे थे। वही कलेक्ट्रेट के आस पास भी लगातार नजर बनाए हुए थे। प्रशासन को आशंका है कि उन्हें युवकों द्वारा बच्चों को बहला फुसलाकर रैली निकाली गई थी। प्रशासन का तर्क है कि छोटे छोटे बच्चों के सड़क में आ जाने से उनके साथ अप्रिय घटना भी हो सकती थी। इसका जिम्मेदार कौन होता?

आप पहले के बच्चे अपनी बात में ही उलझते दिखे- उल्लेखनीय की बच्चों का अचानक रैली निकालकर कलेक्ट पहुंचने को सुनियोजित घटना माना जा रहा है। इसे और ज्ञापन को लेकर अपर कलेक्टर ने बच्चों से पूछताछ भी की। बच्चों ने प्राचार्य पर मानसिक प्रताड़ना, अतरिक्त फीस लेने और जाति के नाम पर शिकायत की थी। हालाकि जिन बच्चों के साथ ये घटना हुई उनमें से कोई भी शिकायत लेकर पहुंचे बच्चों में नहीं था। पूछताछ में छात्रों ने टालमटोल जवाब दिया। मानसिक प्रताड़ना जिसके साथ हुई वह छात्र इस रैली में आया ही नहीं था। वहीं जिससे फीस अधिक ली गई वह भी छात्र इस रैली में नहीं था इसके अलावा जिस छात्रा के साथ जाति संबंधित शिकायत की गई थी उसका कहना था कि यह घटना एक साल पहले की है। बाकी घटनाओं को भी बच्चों ने एक से डेढ़ साल पहले का होना बताया। इन शिकायतों को सुनकर प्रशासनिक अमला भी हतप्रभ था। जब बच्चों से पूछा गया इसके पहले उन्होंने शिकायत क्यों नहीं की या अपने अभिभावकों को क्यों नहीं बताया तो वे इसका जवाब नहीं दे पाए। केवल प्राचार्य को हटाना है इस बात पर अड़े रहे।

उल्लेखनीय है कि हाल में ही निलंबन से बाहर होकर पहुंची वंदना पांडेय की पुन: पीएम श्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यमिक विद्यालय में पोस्टिंग कर दी है। प्रशासन का कहना है कि प्राचार्य के विरुद्ध केवल सफाई व्यवस्था को लेकर शिकायत हुई थी किसी प्रकार की वित्तीय अनियमित यानी शिकायत नहीं थी। इसलिए धारणाधिकार के नियम के तहत उन्हें पुन: उसी स्कूल में पदस्थित किया गया था। हालांकि जिस दिन उनके पद स्थापना हुई उसी दिन से स्टाफ ने उनके विरुद्ध मोर्चा खोल दिया था जिसके बाद आप स्कूली बच्चे को सामने आ गए।

जिला शिक्षा अधिकारी जगजीत सिंह धीर ने कहा कि स्कूल स्टाफ और बच्चों के विरोध के बाद प्राचार्य को हटाया गया है। शिक्षिकाओं के कैटवॉक के वाले वायरल वीडियो की जांच के लिए तीन सदस्य समिति जांच करेगी।

खबर-खास

संगवारी भेंट: वर्षों बाद गले मिले गुरु-शिष्य, स्कूल की दहलीज पर फिर जिए सुनहरे दिन

पीएम श्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय में पहला पूर्व छात्रङ्गशिक्षक मिलन समारोह संपन्न

गरियाबंद। पीएम श्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम शासकीय विद्यालय गरियाबंद में रविवार को पहला संगवारी भेंट,पूर्व छात्रङ्गशिक्षक मिलन समारोह उत्साहपूर्ण संपन्न हुआ। प्राचार्य एवं शाला प्रबंधन विकास समिति के अध्यक्ष प्रशांत मानिकपुरी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में वर्षों पहले विद्यालय से निकले विद्यार्थियों और उनके गुरुओं का फिर से एक मंच पर मिलना यादगार क्षण रहा।समारोह की शुरुआत वरिष्ठ शिक्षकों के सम्मान से हुई। वर्षों तक विद्यालय में सेवाएं देने वाले शिक्षकों को शाल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। वहीं दिवंगत शिक्षकों को याद करते हुए मौन रखकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। श्रद्धांजलि के दौरान समारोह में भावुकता छा गई। इधर, वर्षों बाद मिले पूर्व छात्र एक-दूसरे को देखकर भावुक हो उठे और गले मिलकर अपनापन जताया। विद्यालय परिसर में प्रवेश करते ही छात्रों की बीते दिनों की यादें ताजा हो गई। पूर्व छात्रों ने कक्षाओं, बरामदों और प्रांगण का भ्रमण किया, उन्हीं कमरों में पहुंचे जहां कभी भविष्य के सपने गढ़े गए थे।ब्लैकबोर्ड, बेंच और दीवारों को देखकर अपने स्कूली दिनों को याद किया। स्कूल समय की शरारतों, अनुशासन और मस्ती भरे पलों को साझा किया। साथ ही इन पलों को अपने मोबाइल कैमरों में कैद भी किया। कहीं ठहाके गूंजे, तो कहीं आंखें नम हो गईं। कार्यक्रम में शामिल गरियाबंद सहित सहित दीगर जिलों से भी छात्र पहुंचे थे।कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक एवं संगीतमय प्रस्तुति भी दी। स्वागत भाषण में अधिवक्ता एवं समिति अध्यक्ष प्रशांत मानिकपुरी ने कहा कि यह आयोजन केवल पूर्व छात्रङ्गशिक्षक मिलन नहीं, बल्कि उन गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता का भाव है, जिनका आशीर्वाद जीवन भर मार्गदर्शन करता है। उन्होंने कहा कि इसी विद्यालय की देन है कि आज यहां से पढ़े विद्यार्थी प्रशासनिक, सामाजिक, राजनीतिक और व्यवसायिक क्षेत्रों में गरियाबंद का नाम रोशन कर रहे हैं।

फ्लेक्सी कैप फंड्स' बने पहली पसंद: बाज़ार में उथल-पुथल के बीच भिलाई के निवेशकों का भरोसा

भिलाई: बदलते वैश्विक संकेतों और बाज़ार के उतार-चढ़ाव के बीच, फ्लेक्सी कैप फंड्स खुदरा निवेशकों की पहली पसंद बन गए हैं। ये फंड उन निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण विकल्प बनकर उभरे हैं जो कम अस्थिरता के साथ बेहतर विकास का संतुलन चाहते हैं। निवेशकों की पसंद बदल रही है। आंकड़े बताते हैं कि 2025 में निवेशकों ने दूसरे फंड्स को छोड़कर सबसे ज्यादा भरोसा फ्लेक्सी कैप फंड्स पर दिखाया और इसमें बहुत निवेश हुआ। AMFI के ताज़ा आंकड़ों के मुताबिक, साल 2025 में निवेशकों ने फ्लेक्सी कैप फंड्स में रिकॉर्ड 80,978 करोड़ का निवेश किया। यह रकम स्मॉल-कैप (52,321 करोड़) और मिड-कैप (49,939 करोड़) जैसे बड़े फंड्स की तुलना में लगभग दोगुनी है। निवेश की यह रफ़्तार दिसंबर 2025 में सबसे ज्यादा रही, जब अकेले एक महीने में 10,019.27 करोड़ का निवेश हुआ, जो पिछले महीने के मुकाबले 23त्न ज्यादा है। बाज़ार के इसी ट्रेंड को देखते हुए, टाटा फ्लेक्सी कैप फंड की लोकप्रियता भी बढ़ी है।

सवर्ण एकता मंच कवर्धा ने यूजीसी जैसे काले कानून व आरक्षण के विरुद्ध और ईडब्लूएस के लिए भरी हुंकार

कवर्धा (समय दर्शन)। सवर्ण समाज कवर्धा ने रविवार को ऐतिहासिक सामूहिक बैठक की, जिसमें जिले की सभी 13 सवर्ण समाजों के जिलाध्यक्षों और समाज के सक्रिय सदस्यों की मौजूदगी में सर्वसम्मति से सवर्ण एकता मंच का गठन किया गया। यह मंच सामाजिक राजनीति को नई दिशा देने का संकल्प लिया।

बैठक में स्पष्ट संदेश दिया गया कि सवर्णों के अधिकारों पर किसी भी प्रकार का प्रहार स्वीकार नहीं किया जाएगा। शासन द्वारा लागू किए जा रहे यूजीसी से जुड़े प्रावधानों जैसे काले कानूनों के खिलाफ निर्णायक संघर्ष की रूपरेखा तय हुई, वहीं छत्तीसगढ़ में ईडब्लूएस आरक्षण को प्रभावी ढंग से लागू कराने तक एकजुटता के साथ उग्र आंदोलन करने का संकल्प लिया गया। बैठक में सैकड़ों की संख्या में समाजजन शामिल हुए। युवाओं की बढ़-चढ़कर भागीदारी ने मंच को नई ऊर्जा दी। वक्ताओं ने कहा कि यदि सरकार ने जनभावनाओं की अनदेखी की, तो सवर्ण एकता मंच के बैनर तले व्यापक और उग्र आंदोलन छेड़ा जाएगा। सभी समाजों ने मंच में अपना भविष्य देखते हुए साझा संघर्ष की घोषणा की। कई युवा प्रतिनिधियों ने मंच से अपने विचार रखे। तय हुआ कि गांव-वार संपर्क अभियान चलाया जाएगा, डिजिटल माध्यमों से जागरूकता बढ़ाई जाएगी और प्रत्येक समाज से स्वयंसेवक तैयार किए जाएंगे। युवाओं को संगठन की रीढ़ मानते हुए प्रशिक्षण और संवाद कार्यक्रम शुरू करने का प्रस्ताव पारित हुआ।

सवर्ण एकता मंच में साझा नेतृत्व की सहमति- बैठक के पहले सत्र में मंच की संरचना पर चर्चा हुई। 13 समाजों के जिलाध्यक्षों ने सर्वसम्मति से मंच के गठन पर मुहर लगाई। निर्णय हुआ कि आगे की सभी गतिविधियां सामूहिक नेतृत्व और पारदर्शी निर्णय प्रक्रिया से संचालित होंगी। मंच का उद्देश्य सामाजिक एकता, संवैधानिक अधिकारों की रक्षा और युवाओं को संगठित करना तय किया गया।

यूजीसी जैसे प्रावधानों के खिलाफनिर्णायक रुख- मंच के सदस्यों ने कहा कि शिक्षा और अवसरों से जुड़े नियमों में सवर्णों के साथ भेदभाव बर्दाश्त नहीं होगा। मंच ने साफ किया कि यूजीसी से जुड़े ऐसे किसी भी कदम का शांतिपूर्ण लेकिन प्रभावी विरोध किया जाएगा, जो समाज के हितों के विपरीत हो। सरकार से मांग की गई कि संवाद के जरिए समाधान निकाला जाए, अन्यथा आंदोलन अपरिहार्य होगा।

ईडब्लूएस आरक्षण लागू कराने पर जोर- बैठक का अहम एजेंडा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आरक्षण को जमीन पर उतारना रहा। वक्ताओं ने कहा कि ईडब्लूएस का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचे, इसके लिए निगरानी तंत्र मजबूत करने और प्रशासनिक स्तर पर जवाबदेही तय करने की रणनीति बनाई गई।

सरकार को चेतावनी, मांगें नहीं मानी गईं तो होगा उग्र आंदोलन- अंतिम सत्र में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित हुआ कि यदि शासन ने यूजीसी जैसे प्रावधानों पर पुनर्विचार नहीं किया और ईडब्लूएस आरक्षण को प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया, तो सवर्ण एकता मंच चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेगा। बैठक एक स्पष्ट संदेश के साथ संपन्न हुई एकता ही शक्ति है, और अधिकारों की रक्षा के लिए समाज एकजुट रहेगा। कुल मिलाकर इस बैठक ने सवर्ण समाज को साझा मंच पर लाकर भविष्य की लड़ाई का रोडमैप तय कर दिया हैकृजहां संवाद प्राथमिकता होगा, लेकिन जरूरत पड़ी तो आंदोलन भी।

बारह लाख 60 हजार रुपए की ठगी का आरोपी गिरफ्तार, दो अन्य फरार

कवर्धा (समय दर्शन)। जिले की बोड़ला पुलिस ने ग्राम सूरजपुरा पुलिस चौकी पोंडी निवासी रूपेश जायसवाल की सूचना पर 26.09.2023 से 25.02.2024 के बीच कुल 12, 62,000 रुपए की ठगी करने वाले एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। जबकि एक और आरोपी उच्च न्यायालय से अग्रिम जमानत पर होने के कारण उसकी औपचारिक गिरफ्तारी की गई, वहीं अन्य दो आरोपी फरार बताया गया है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि थाना बोड़ला में अपराध क्रमांक 155/2024 धारा 420, 34 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। बोड़ला के पर्यवेक्षण में थाना बोड़ला अंतर्गत पुलिस चौकी पोंडी द्वारा नौकरी लगाने का झांसा देकर ठगी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है।

प्रार्थी रूपेश जायसवाल निवासी सुरजपुरा चौकी पोंडी थाना बोड़ला जिला कबीरधाम द्वारा लिखित आवेदन प्रस्तुत कर रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि कुछ व्यक्तियों द्वारा उसके भांजे कृष्णा कुमार जायसवाल से शासकीय नौकरी दिलाने के नाम पर दिनांक 26.09.2023 से 25.02.2024 के बीच कुल 12, 62, 000 रुपए की ठगी की गई है। रिपोर्ट पर थाना बोड़ला में अपराध क्रमांक 155/2024 धारा 420, 34 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

इस दौरान प्रकरण के आरोपी भागीरथी साहू को पूर्व में उच्च न्यायालय से अग्रिम जमानत प्राप्त होने के कारण औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया गया था, जबकि अन्य आरोपी हरिषंकर गजभिये एवं डोमार चंदेल घटना दिनांक से फरार पाए गए, जिनके विरुद्ध फरारी पंचनामा तैयार कर संबंधित तहसील कार्यालयों से उनकी चल-अचल संपत्ति की जानकारी प्राप्त की गई है। फरार आरोपियों के विरुद्ध नियमानुसार पृथक चालान प्रस्तुत किया गया है।

प्रकरण की विवेचना के दौरान आरोपी उमेश चंद्रा पिता रेशम लाल चंद्रा उम्र 30 वर्ष, निवासी अरसिया थाना जैजैपुर जिला शक्ति की पतासाजी की गई। पूछताछ में आरोपी द्वारा नौकरी दिलाने के नाम पर अंकसूची एवं अन्य मूल दस्तावेज प्राप्त करना तथा 05 लाख रुपये नगद लेना स्वीकार किया गया। आरोपी के पास से संबंधित दस्तावेज विधिवत जप्त किए गए।

पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर आरोपी उमेश चंद्रा को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। इस कार्यवाही में पुलिस चौकी पोंडी के चौकी प्रभारी उप निरीक्षक लक्ष्मीनारायण साहू, सहायक उप निरीक्षक बलदाऊ साहू, प्रधान आरक्षक खूबी साहू एवं आरक्षक क्रमांक 927 राहुल कश्यप का सराहनीय योगदान रहा।

गुरुकुल के विद्यार्थियों ने परीक्षा पे चर्चा में लिया उत्साह के साथ भाग

कवर्धा (समय दर्शन)। जिले की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान गुरुकुल पब्लिक स्कूल में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कक्षा आठवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने सोल्लास भाग लिया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी शिक्षक की भूमिका में दिखे। उन्होंने 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को परीक्षा के विषय में जरूरी परामर्श दिया। मीडिया प्रभारी पीजीटी हिंदी डॉ. विजय कुमार शाही ने बताया कि इस ऑनलाइन कार्यक्रम में भारत के पूर्वोत्तर राज्यों से आए विद्यार्थियों के विभिन्न शंकाओं का प्रधानमंत्री मोदी ने सटीक समाधान किया। उन्होंने परीक्षा की तैयारी के लिए समय प्रबंधन, तनाव से मुक्ति, लक्ष्य निर्धारण एवं उसकी प्राप्ति के लिए जरूरी प्रयास पर विशेष बल दिया।

उन्होंने पालकों एवं अभिभावकों से भी आग्रह किया कि वह विद्यार्थियों की प्रतिभा एवं क्षमता के अनुसार उनका सहयोग करें। उन्होंने पाठ्यक्रम को सटीक भाव से समझा कर उसे रटने की बजाय समझाने पर बल दिया। उन्होंने परीक्षा से संबंधित जटिल प्रश्नों का उत्तर सरल उदाहरण के द्वारा स्पष्ट किया। उन्होंने प्रधानमंत्री निवास में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों से आत्मीय भाव से वार्तालाप किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। गुरुकुल ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम में शाला के प्राचार्य मनोज कुमार राय ने बच्चों से कहा कि प्रधानमंत्री के परामर्श को सभी सावधानी पूर्वक सुने और उसे अपने व्यवहार में अमल करें। शाला के अध्यक्ष तथा अन्य पदाधिकारीगण ने आशा व्यक्ति की कि परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के द्वारा शाला के विद्यार्थी अवश्य लाभान्वित होंगे।

//न्यायालय नायब तहसीलदार जामगांव आर.तह.पाटन
जिला-दुर्ग (छ.ग.)//
//ईश्तहार//

राजस्व.मामला ब/ 121 वर्ष 2024-25
पक्षकार पुनीत राम साहू पिता स्व. हरि रामसाहू
नवासी ग्राम जामगांव आर.तह.पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)

एतद द्वारा सर्वसाधारण एवं द्वारा ग्राम जामगांव आर. प.ह.नं. 46 तहसील पाटन जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित जाता है कि आवेदक पुनित राम साहू पिता स्व.हरिराम साहू निवासी ग्राम जामगांव आर. तहसील -पाटन जिला दुर्ग द्वारा मौजा ग्राम जामगांव आर. प.ह.नं. 46 तहसील पाटन जिला दुर्ग में आवेदक अपने पुत्र प्रेमलाल साहू पिता पुनीतराम साहू निवासी जामगांव आर. का जन्म दिनांक 03.11.2002 का जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने हेतु आवेदन पत्र, शपथ पत्र,एवं आवेदक पुनीतराम साहू पिता स्व. हरिसाम साहू निवासी ग्राम जामगांव आर. तह.पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) का आदेश 18 नियम 04 व्यवहार प्रक्रिया संहिता शपथ पूर्वक बयान प्रस्तुत किया गया है। कार्यालय उपसंचालक जिला योजना एवं सांख्यिकी जिला दुर्ग (छ.ग.)से अनुपलब्धता प्रमाण पत्र सहित आवेदन प्रस्तुत किया गया है जो आधार पर प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: उपरोक्तानुसार कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 12/02/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

नायब तहसीलदार
जामगांव(आर) पाटन,जिला
दुर्ग (छ.ग.)
मुहर

// न्यायालय तहसीलदार पाटन
जिला-दुर्ग (छ .ग.)//
//ईश्तहार//

राजस्व प्रकरण ब/ 121
वर्ष 2026

एतद द्वारा आम जनता एवं सर्वसाधारण को सूचना प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक नीरज पिता रूपसिंह निवासी सावनी तहसील -पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.)के द्वारा आवेदन पेश किया है कि मेरे भाई योगेश कुमार यदु पिता रामेश्वर यदु का जन्म दिनांक 07.09.2008 को ग्राम सावनी तहसील पाटन जिला दुर्ग में जन्म होने के कारण जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: नीरज पिता रूपसिंह निवासी सावनी तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के आधार पर उपरोक्तानुसार जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने की कार्यवाही पर जिस किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 13/02/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 28.01.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर के साथ जारी।

तहसीलदार
पाटन,जिला दुर्ग(छ.ग.)
मुहर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार पाटन के न्यायालय में मामला क्रमांकः
202601104500070

विषय-ब-121 **मामले कीश्रेणी-राजस्व** सन-2025-26
खम्हरिया प.ह.नं. 00007(हे.)
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार-हेमन्त ढीमर,
अनावेदक पक्षकार-

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम खम्हरिया प.ह.नं.07 तहसील पाटन जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक हेमन्त ढीमर पिता लक्ष्मण प्रसाद ढीमर निवासी ग्राम खम्हरिया द्वारा अपनी दादी शांति बाई पति प्रभु ढीमर का मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदान किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अत: उपरोक्तानुसार कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार का कोई दावा/आपत्ति हो तो सुनवाई हेतु नियत तिथि 16.02.2026 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 30.01.2026 को जारी किया जाता है।

अतिरिक्त तहसीलदार
पाटन
मुहर

//आम सूचना//

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा-पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.) के द्वारा अधिकृत एवं उनके निदेर्शानुसार यह आम सूचना प्रकाशित किया जाता है कि बैंक के प्रस्तावित ऋण ग्रहिता श्रीमती सुनिता देवी अग्रवाल पति स्व. कश्मीरी लाल अग्रवाल, निवासी-पालीडीह, तहसील-पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.) से संबंधित ग्राम-पाकरगांव, प.ह.नं.-19, रा.नि.म.-पत्थलगांव, तहसील-पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.) में स्थित भूमि खसरा नंबर 91,93 रकबा 0.0335 हे. से संबंधित विक्रेता गंगादास पिता रामतियार दास, निवासी-पाकरगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.) के द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 20.10.2010 के माध्यम से क्रेता लक्ष्मण दास पिता श्री गंगादास निवासी-पाकरगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.) के पक्ष में निष्पादित किया गया था, जिसके पश्चात लक्ष्मण दास पिता गंगादास के द्वारा श्रीमती सुनिता देवी अग्रवाल पति स्व. कश्मीरी लाल अग्रवाल, जाति-अग्रवाल, निवासीग्राम-पालीडीह, तहसील-पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ.ग.) के पक्ष में दिनांक 08.07.2013 को निष्पादित किया गया एवं पूर्व का मूल रजिस्ट्री दिनाांक 20.10.2010 को भी प्रदान कर दिया गया था, क्रेता श्रीमती सुनिता देवी अग्रवाल के द्वारा बैंक आदि कार्य से पत्थलगांव जाने के दौरान उक्त मूल रजिस्ट्री दिनांक 20.10.2010 कहीं रास्ते में गुम हो गया। काफी खोजबीन करने के पश्चात भी नहीं मिल रहा है। उक्त मूल विक्रय पत्र किसी भी व्यक्ति को प्राप्त हुआ है या जिस किसी व्यक्ति को गुम विक्रय पत्रकों के संबंध में किसी प्रकार की आपत्ति या हक अधिकार हो वह अपनी आपत्ति लिखित में मेरे कार्यालय में इस सूचना प्रकाशन दिनांक से 7 दिवस के भीतर प्रस्तुत कर सकता है। अन्यथा किसी भी व्यक्ति को आपत्ति नहीं होना मानकर उपरोक्त पंजीकृत विक्रय पत्रक की प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर बैंकिंग संव्यवहार कर लिया जावेगा। उक्त मूल पंजीकृत विक्रय पत्र का किसी अन्य व्यक्ति के द्वारा उपयोग नहीं किया जा सकेगा तथा उपयोग किये जाने पर उसके विरूद्ध कानूनी कार्यवाही की जावेगी।

यह आम सूचना पंजीकृत विक्रय पत्रक के गुम हो जाने के संबंध में प्रकाशित किया जा रहा है।

मोहन यादव
एडव्होकेट, पत्थलगांव,
जिला-जशपुर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार पाटन के न्यायालय में मामला क्रमांकः
202601104500071

विषय-ब-121 **मामले कीश्रेणी-राजस्व** सन-2025-26
खम्हरिया प.ह.नं. 00007(हे.)
पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार-हेमन्त ढीमर,
अनावेदक पक्षकार-

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम खम्हरिया प.ह.नं.07 तहसील पाटन जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक हेमन्त ढीमर पिता लक्ष्मण प्रसाद ढीमर निवासी ग्राम खम्हरिया द्वारा अपने दादा प्रभु ढीमर पिता धुरसाय का मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदान किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अत: उपरोक्तानुसार कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार का कोई दावा/आपत्ति हो तो सुनवाई हेतु नियत तिथि 16.02.2026 तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 30.01.2026 को जारी किया जाता है।

अतिरिक्त
तहसीलदार
पाटन
मुहर

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला-दुर्ग
उदद्योषण

रा.प्र.क्र./ 202601100700127/अ/6/
वर्ष 2025-26

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है आवेदिका/वसीयत प्राप्तकर्ती श्रीमती त्रिवेणी साहू पति नीलकमल साहू निवासी गजानन मंदिर के पास वार्ड नं. 12 नया आमापारा दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 1209/9 रकबा 0.019 हे. भूमि जो कि वसीयतकर्ती शांति बाई साहू पति स्व. कुंजलाल साहू निवासी बजरंग नगर रायपुर के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है आवेदित भूमि के खातेदार/वसीयतकर्ती शांति बाई साहू पति स्व. कुंजलाल साहू के द्वारा आवेदिका के पक्ष में दिनांक 12.07.2002 को पंजीकृत वसीयतनामा निष्पादित किया गया है। उक्त आवेदित भूमि के खातेदार वसीयतकर्ती की मृत्यु 03.07.2025 को हो जाने पर पंजीकृत वसीयतनामा के आधार पर आवेदक का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 17.02.2026 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा

आज दिनांक 29.01.2026 को यह उदद्योषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

जारी दिनांक -29.01.2026
सुनवाई दिनांक- 17.02.2026

तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)
मुहर

कार्यालय संपदा अधिकारी

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-राजनांदगांव
कार्यालय पता:- न्यू बस स्टैण्ड व्यवसायिक परिसर राजनांदगांव जिला राजनांदगांव(छ.ग.) फोन नं. 077444469714
E-mail-emzonerjn@gmail.com

क्र. / 141 /सं.अधि./ 26 राजनांदगांव / दिनांक 27.01.2026

-: आम सूचना:-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, छत्तीसगढ गृह निर्माण मण्डल द्वारा निर्मित अटल विहार योजना पेण्ड्री जिला राजनांदगांव में भवन क्रमांक ई.डब्लु.एस.-128 (तृतीय तल) का आबंटन श्री छन्नू यादव पिता स्व. श्री बुधराम यादव को किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त भवन का पंजीयन निष्पादन पंजीयन कार्यालय से 20 .06.2017 को करा लिया गया है। आवेदिका (आबंटी की पत्नि) श्रीमती वंदना सोनपिपरे पति स्व. छन्नू द्वारा इस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत कर अवगत कराया गया कि आबंटी श्री छन्नू यादव की मृत्यु दिनांक 02.03.20219 को हो चुकी है तथा आवेदन में निवेदन किया है कि उक्त भवन को स्वयं के नाम पर नामांतरण किया जावे, जिसके लिए उन्होंने मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, आधार की छायाप्रति व अन्य दस्तावेज संलग्न किये है।

अत: आवेदिका के आवेदन अनुसार उनके नाम पर नामांतरण की कार्यवाही से किसी व्यक्ति परिवार के सदस्य,शासकीय, अर्द्धशासकीय संस्था,वित्तीय संस्था आदि को कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित दावा/आपत्ति कर सकता है, अन्यथा इस आम सूचना के 15 दिवस के बाद में कोई दावा/आपत्ति मान्य होगी एवं मण्डल नियमानुसार उनके पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-राजनांदगांव

संक्षिप्त-खबर

ग्राम पंचायत सांकरा में बनेगा 1200 मीटर सीसी रोड, हुआ भूमिपूजन

पाटन (समय दर्शन)। जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत सांकरा में सीसी रोड का भूमि पूजन जनपद सदस्य प्रणव शर्मा के मुख्य अतिथि में संपन्न हुआ। आपको बता दें ग्राम सांकरा में लोक निर्माण विभाग के द्वारा 2 करोड़ 39 लाख के लागत से 1200 मीटर सीसी रोड का निर्माण किया जाना है। जिसका विधिवत भूमि पूजन जनपद सभापति प्रणव शर्मा, ग्राम पंचायत के युवा सरपंच रवि सिंगौर के द्वारा नारियल तोड़कर किया गया। ग्राम पंचायत के युवा सरपंच रवि सिंगौर ने मीडिया को जानकारी शेयर करते हुए कहा कि विष्णु के सुशासन में लोगों को मूलभूत सुविधाओं से जोड़ने का कार्य प्रगति पर है। लगातार मोदी के गारंटी के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्य किया जा रहा है। जिसका प्रमाण आज ग्राम सांकरा में देखने को मिल रहा है।निश्चित ही भाजपा सरकार सबका साथ सबका विकास के साथ काम करने वाली पार्टी है। इस अवसर पर उपसरपंच रामशरण बंधे, तुलाराम सिंगौर पंच, महेंद्र पारधी पंच ,वीरेंद्र यादव पंच ,विकास सिंगौर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

10वीं-12वीं बोर्ड परीक्षा शुल्क बढ़ाकर छात्रों के परिवार पर अतिरिक्त बोझ, भाजपा सरकार में शिक्षा सेवा नही बल्कि वसूली का गढ़ बना - राकेश ठाकुर

दुर्ग। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) द्वारा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा शुल्क में की गई भारी बढ़ोतरी भाजपा सरकार और शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव की छात्र-विरोधी सोच का जीवंत प्रमाण है। पांच साल बाद एक साथ परीक्षा शुल्क, आवेदन शुल्क, स्वाध्यायी छात्रों के पंजीयन एवं अनुमति शुल्क सहित करीब 22 मदों में बढ़ोतरी कर भाजपा सरकार ने शिक्षा को सेवा नहीं, बल्कि शिक्षा विभाग को वसूली का गढ़ बना रहा है। जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) के जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि पहले जहां बोर्ड परीक्षा, अंकसूची और प्रायोगिक शुल्क मिलाकर 460 रुपये लिए जाते थे, अब उसे बढ़ाकर 800 रुपये कर दिया गया है। आवेदन शुल्क 80 रुपये से बढ़ाकर 150 रुपये किया गया। यह बढ़ोतरी ऐसे समय में की गई है जब प्रदेश का किसान, मजदूर और मध्यम वर्ग पहले से ही महंगाई की मार झेल रहा है। राकेश ठाकुर ने शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि मंत्री जी को छात्रों और अभिभावकों की तकलीफ नजर नहीं आ रही है या फिर वे जानबूझकर शिक्षा को अमीरों तक सीमित करना चाहते हैं। स्वाध्यायी छात्रों के पंजीयन शुल्क को 560 रुपये से बढ़ाकर 800 रुपये और राज्य से बाहर के छात्रों के लिए 1540 रुपये से बढ़ाकर 2000 रुपये करना यह साबित करता है कि शिक्षा मंत्री पूरी तरह असंवेदनशील हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार मंचों से बेटा-बेटी पढ़ाओ और नई शिक्षा नीति का ढोल पीटती है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि परीक्षा शुल्क बढ़ाकर हजारों गरीब छात्रों को पढ़ाई छोड़ने के लिए मजबूर किया जा रहा है। यह फैसला सीधे-सीधे ग्रामीण अंचल, किसान परिवारों और मजदूर वर्ग के बच्चों के सपनों पर हमला है। राकेश ठाकुर ने मांग किया कि माशिमं द्वारा बढ़ाए गए सभी शुल्क तत्काल वापस लिए जाएं और 2021 से पहले की दरों को ही लागू रखा जाए जिससे किसी भी विद्यार्थियों के परिवार पर अतिरिक्त बोझ न पड़े ।

आवापल्ली में गूंजा स्वस्थ पंचायत का संदेश

बीजापुर। विकासखंड उसूर अंतर्गत आवापल्ली में 6 फ़रवरी 2026 को विकासखंड स्तरीय स्वस्थ पंचायत सम्मेलन का आयोजन भव्य एवं सुनियोजित ढंग से किया गया। यह कार्यक्रम संबित मिश्रा, कलेक्टर जिला बीजापुर के मार्गदर्शन, नम्रता चौबे, जिला पंचायत सीईओ एवं डॉ. बी.आर. पुजारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के नेतृत्व में तथा डॉ. बी.आर. पुजारी की उपस्थिति में संपन्न हुआ। सम्मेलन का आयोजन अनुविभागीय अधिकारी राजस्व उसूर भूपेन्द्र कुमार गावड़े के सानिध्य में तथा खंड चिकित्सा अधिकारी उसूर डॉ. उमेश सिंह ठाकुर के सहयोग से विकासखंड की समस्त ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समितियों के सहभागिता से किया गया।

पिथौरा जनपद अध्यक्ष उषा पुरुषोत्तम धृतलहरे के आतिथ्य में चनौरडीह में साप्ताहिक हाट बाजार का शुभारंभ

बसना (समय दर्शन)। पिथौरा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम चनौरडीह में साप्ताहिक हाट बाजार का शुभारंभ श्रीमती उषा पुरुषोत्तम धृतलहरे अध्यक्ष जनपद पंचायत पिथौरा के मुख्य आतिथ्य में किया गया।

बता दें कि ग्राम चनौरडीह में बहुत दिनों से साप्ताहिक हाट बाजार लगाने विचार विमर्श चल रहा था ।आखिर कार ग्राम वासियों ने निर्णय लिया कि हाट बाजार से सब्जी, किराने एवं दैनिक जीवन के जरुरतों का सामान खरीदने की सुविधा उपलब्ध होगी ,साथ ही गांव के बेरोजगार युवाओं को रोजगार

मिलेगा।

हाट बाजार का शुभारंभ श्रीमती उषा पुरुषोत्तम धृतलहरे, सरपंच कांति जगदीश प्रधान, हरप्रसाद अंबू पटेल,विमला बेहरा, अभिमन्यु प्रधान, मुंशी प्रधान,महेश प्रधान एवं ग्राम प्रमुखों ने मां सम्लेश्वरी के नाम से स्तंभ लगाकर ग्राम वासियों की उपस्थिति में पुष्पमाला अर्पित कर विधि विधान से पूजा-अर्चना कर ग्राम व क्षेत्र की खुशहाली की कामना की गई।

जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती उषा पुरुषोत्तम धृतलहरे ने कहा कि मैं सभी ग्राम वासियों को इस शुभ अवसर पर बधाई व शुभकामनाएं देती हूं। इस अवसर पर पुरुषोत्तम धृतलहरे जनपद सदस्य,कांग्रेसी नेता मुंशी प्रधान, सरपंच कांति

जगदीश प्रधान, जनपद सदस्य विमला बेहरा, हरप्रसाद अम्बू पटेल मंडल अध्यक्ष पिरदा अभिमन्यु प्रधान, सुरेन्द्री रंजन सागर,महेश प्रधान, सुदेष्ठा रोहित भोई, नरेन्द्र भोई, उत्तर प्रधान, रमेश प्रधान, रमेश सुरेश साहू, कमलेश साहू,तिरपुरा उपेन्द्र प्रधान, रोहित बारीक, सुकलाल छतर सचिव,पंचगण सहित ग्राम व क्षेत्रीवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बसना पदमपुर अंतरराज्यीय मार्ग बदहाल, गड्ढों में तब्दील सड़क बनी हादसों का कारण

सभापति प्रकाश सिन्हा एवं जनप्रतिनिधियों ने कलेक्टर से की शीघ्र मरम्मत की मांग

बसना (समय दर्शन)। लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत बसना से पदमपुर (उड़ीसा अंतराज्यीय सीमा) को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग इन दिनों अत्यधिक जर्जर एवं खस्ताहाल स्थिति में पहुंच चुका है। सड़क पर जगह-जगह बने बड़े एवं गहरे गड्ढों के कारण आम नागरिकों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, वहीं सड़क दुर्घटनाओं का खतरा भी लगातार बढ़ता जा रहा है। यह मार्ग कालकासा, अंकोरी, अंकोरी टांडा मार्ग एवं पलसपाली (अ) सहित कई ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ता है। इन क्षेत्रों से प्रतिदिन स्कूली बच्चे,

किसान, मजदूर, मरीज तथा दोपहिया-चारपहिया एवं भारी वाहन आवाजाही करते हैं। स्थानीय नागरिकों के अनुसार सड़क की बदहाल स्थिति के चलते कई बार दुर्घटनाएँ घटित हो चुकी हैं। विशेषकर रात्रिकाल एवं वर्षा ऋतु में गड्ढे दिखाई न देने से हादसों की आशंका और अधिक बढ़ जाती है, जिससे आमजन में भय का माहौल है।

इस गंभीर समस्या को लेकर जनपद पंचायत बसना के जनप्रतिनिधियों, सभापति एवं जनपद सदस्य क्षेत्र क्रमांक 21 अंकोरी, प्रकाश सिन्हा ने जिला कलेक्टर महासमुंद को आवेदन सौंपते हुए तत्काल मरम्मत एवं आवश्यक सुधार कार्य कराने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि यह विषय केवल सड़क की दुर्दशा तक सीमित नहीं है, बल्कि सीधे तौर पर जनसुरक्षा से जुड़ा हुआ मामला है। यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, तो किसी बड़ी जनहानि से इंकार नहीं किया जा सकता।

महासमुंद कलेक्टर से की गयी शिकायत- प्रकाश सिन्हा ने कलेक्टर महासमुंद को 06 फरवरी को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि संबंधित लोक निर्माण विभाग को निर्देशित कर गड्ढों की तत्काल मरम्मत अथवा आवश्यक सुधार कार्य कराया जाए, ताकि आवागमन सुरक्षित एवं सुचारु हो सके। साथ ही उन्होंने प्रशासन से संबंधित कार्य एजेंसी के विरुद्ध शीघ्र कार्रवाई करने की भी मांग की है, जिससे भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही की पुनरावृत्ति न हो।

पिथौरा आबकारी विभाग की कार्यवाही 65 लीटर हाथभट्टी महुआ शराब के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

पिथौरा(समय दर्शन)। आबकारी वृत्त पिथौरा में दो अलग अलग प्रकरणों में कुल 65 लीटर हाथभट्टी महुआ शराब जप्त। प्रकरण क्रमांक 01 - आरोपी गजेंद्र अग्रवाल पिता स्व श्री सुरेश अग्रवाल उम्र 31 वर्ष निवासी ग्राम गोपालपुर।

जप्त - 30 लीटर हाथ भट्टी महुआ शराब एवं मदिरा परिवहन में प्रयुक्त वाहन CG04PC6537

विवरण - मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम राजासेवैया से गोपालपुर की ओर एक व्यक्ति अवैध शराब परिवहन करते हुए निकला है। आरोपी को पकड़ने के लिए गोपालपुर में घेराबंदी किया गया तथा राजासेवैया की ओर से नीले रंग की एक्टिवा को रूकवाकर जांच करने पर आरोपी गजेंद्र अग्रवाल के कब्जे से 30 लीटर हाथ भट्टी महुआ शराब बरामद किया गया। आरोपी के विरुद्ध प्रकरण कायम कर गिरफ्तार किया गया तथा मदिरा परिवहन में प्रयुक्त वाहन को जब्त किया गया। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

प्रकरण 02 आरोपी - श्रीमती सांताबाई सांडे पति घनश्याम सांडे उम्र 45 वर्ष निवासी ग्राम राजा सेवैया थाना पिथौरा जिला महासमुंद (छ0ग)

जप्त - 35 लीटर हाथभट्टी महुआ शराब

विवरण - मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम राजासेवैया में श्रीमती सांताबाई सांडे अपने रिहायशी मकान में भारी मात्रा में महुआ शराब का निर्माण एवं विक्रय का कार्य कर रही है। आबकारी विभाग वृत्त पिथौरा स्टाफ ने तुरंत रेड कार्यवाही किया तथा श्रीमती सांताबाई सांडे के मकान से 35 लीटर हाथभट्टी महुआ शराब बरामद किया। श्रीमती सांताबाई सांडे के विरुद्ध प्रकरण कायम किया गया तथा उसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है । विवेचना अधिकारी नीरज कुमार साहू आबकारी उपनिरीक्षक वृत्त पिथौरा

आबकारी स्टाफ पिथौरा का महत्व पूर्ण योगदान रहा।

प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी का प्रदेश स्तरीय बैठक संपन्न

गिरौदपुरी गुरुदर्शन संत समागम मेला 22,23,24, फरवरी 2026 को

मड़वा धर्म शाला में तीनों दिन होगा भव्य भोजन भण्डारा

मेला अवसर पर सतनाम धर्मशाला मड़वा में तीन दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम,साहित्य संगोष्ठी, कवि सम्मेलन का होगा आयोजन

रायपुर में एक करोड़ के लागत से बहुद्देशीय सतनाम धर्मशाला का होगा निर्माण

प्रदेश भर में सामाजिक समन्वय बनाकर संगठन विस्तार करने का निर्णय

50 लाख में होगा मड़वा धर्मशाला का कायाकल्प

प्रदेश कार्यकारिणी सदस्यों को विभिन्न जिलों का दिया गया प्रभार

प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी

रायपुर (समय दर्शन)। समाज के प्रदेश कार्यकारिणी एवं पदाधिकारियों का आवश्यक बैठक न्यू राजेन्द्र नगर रायपुर में रखा गया ।

बैठक में प्रमुख रूप से प्रदेश अध्यक्ष एल एल कोसले ,उपाध्यक्ष दिनेश लाल जांगड़े, महिला उपाध्यक्ष श्रीमती सुशीला सोनवानी, साहित्य समिति के अध्यक्ष पूर्व महासचिव एस आर बांधे,महासचिव मोहन बंजारे, कोषाध्यक्ष श्यामजी टांडे, सहसचिव दिनेश बंजारे, प्रदेश प्रवक्ता राजमंहत प्यारेलाल कोसरिया,महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुश्री अंजलि बरमाल, युवा प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप श्रृगी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एस आर बंजारे, गुलाब दास टंडन, डमरू मनहर, श्रीमती निशा ओग्रे द्रौपदी जोशी, गणेश बघेल, भुवन जांगड़े, विजय टंडन, यूथ उपाध्यक्ष अरुण मिरि, हेमंत भारतद्वाज, संतोष कोसरिया, रायपुर से नगर अध्यक्ष मनोज बंजारे, जिला अध्यक्षगण में महासमुंद से विजय बंजारे, शक्ति रेशमलाल कुर्रे, बेमेतरा राजा लाल बंजारे, बलौदा बाजार दीपक घृतलहरे,जांजगीर चांपा भूषण खटकर, प्रदेश उपाध्यक्ष महिला युवा प्रकोष्ठ श्रीमति मधुबाला रात्रे गरियाबंद से, रायगढ़ से भानू खुंटे, आजीवन सदस्य बिलोकचंद खरे आजीवन सदस्य, मोहन बंजारे यूथ अध्यक्ष रायपुर सहित युवा प्रकोष्ठ,महिला प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों की उपस्थिति में बैठक हुई।

बैठक में गिरौदपुरी मेला के दौरान सतनाम धर्मशाला मड़वा में पूर्ववत तीन दिवसीय भोजन भण्डारा, सांस्कृतिक कार्यक्रम कवि सम्मेलन एवं साहित्य संगोष्ठी के आयोजन करने निणय लिया गया।

मुख्यमंत्री द्वारा समाज के रायपुर बहुद्देशीय भवन के लिए एक करोड़ की स्वीकृत राशि के लिए जमीन की रजिस्ट्री, रायगढ़, सारंगढ़ -बिलाईगढ बेमेतरा ,कवर्धा, गरियाबंद,खैरागढ़, दुर्ग संभाग एवं महासमुंद में जिला अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों के निर्वाचन कराने सहित विभिन्न जिलों में संगठन विस्तार के तहत जिला, अठगवा, एवं ग्रामीण कमेटी के गठन करने एवं मई के प्रथम सप्ताह में गिरौदपुरी मड़वा में प्रदेश स्तरीय दो दिवसीय आमसभा के आयोजन सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा कर निर्णय लिया गया।। यह जानकारी राजमहंत प्यारेलाल कोसरिया प्रदेश प्रवक्ता प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज द्वारा दी गई।

केसरा में भागवत कथा का आयोजन

पाटन/केसरा शीतला पारा में निषाद परिवार द्वारा आयोजितश्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन भक्त प्रह्लाद प्रसंग का बखान किया गया। इसमें कथा व्यास पंडित सुरेंद्र जी महाराज सोरम (धमतरी) वाले ने कहा कि भक्त प्रह्लाद ने माता कयाधु के गर्भ में ही नारायण नाम का मंत्र सुना था। जिसके सुनने मात्र से भक्त प्रह्लाद के कई कष्ट दूर हो गए थे। कथा का आगाज गुरु वंदना के साथ किया गया गया। इसके उपरांत उन्होंने भगवान श्री कृष्ण की पावन लीलाओं का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि बच्चों को धर्म का ज्ञान बचपन में दिया जाता है, वह जीवन भर उसका ही स्मरण करता है। ऐसे में बच्चों को धर्म व आध्यात्म का ज्ञान दिया जाना चाहिए। माता-पिता की सेवा व प्रेम के साथ समाज में रहने की प्रेरणा ही धर्म का मूल है। अच्छे संस्कारों के कारण ही ध्रुव जी को पांच वर्ष की आयु में भगवान का दर्शन प्राप्त हुआ। इसके साथ ही उन्हें 36 हजार वर्ष तक राज्य भोगने का वरदान प्राप्त हुआ था। ऐसी कई मिसालें हैं, जिससे सीख लेने की जरूरत है। इस मौके पर संकीर्तन मंडली की सदस्यों ने प्रभु महिमा का गुणगान किया। उन्होंने कई मनमोहक भजन प्रस्तुत किए, जिन पर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो थिरकने लगे इस अवसर पर निषाद परिवार एवम ग्रामीण मौजूद थे।

शहीद आरक्षक श्री वसीत कुमार रावटे (STF) के गृह ग्राम फागुनदाह (सिंगनवाही) में स्मारक प्रतिमा की हुई स्थापना शहीद को नमन कर दी गई श्रद्धांजलि

बालोद (समय दर्शन)। आज दिनांक 09.02.2026 को स्पेशल टास्क फोर्स (स्ज्ञस्त्र) के शहीद आरक्षक श्री वसीत कुमार रावटे की स्मृति में उनके गृह ग्राम फागुनदाह (सिंगनवाही) में स्मारक स्थापना व प्रतिमा अनावरण श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में माननीय विधायक महोदया श्रीमती अनिला भेड़िया एवं शहीद के परिजन, स्ज्ञस्त्र यूनिट, तथा पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी सहित ग्राम के सम्मानित नागरिकगण उपस्थित रहे।

शहीद आरक्षक वसीत कुमार रावटे का जन्म 26 अक्टूबर 1991 को जिला बालोद के ग्राम फागुनदाह (सिंगनवाही) में हुआ था। वे 12 अप्रैल 2016 को छत्तीसगढ़ पुलिस में आरक्षक के पद पर भर्ती हुए तथा 01 नवम्बर 2017 से स्पेशल टास्क फोर्स में सेवाएं दे रहे थे। दिनांक 06 फरवरी 2025 को जिला बीजापुर के थाना फरसेगढ़ क्षेत्र अंतर्गत नक्सल विरोधी अभियान के दौरान 09 फरवरी 2025 को नेशनल पार्क क्षेत्र में पुलिस बल एवं नक्सलियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ के

दौरान आरक्षक वसीत कुमार रावटे ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए नक्सलियों का डटकर मुकाबला किया। उन्होंने अपने साथियों की रक्षा करते हुए 06 नक्सलियों को मार गिराया, जबकि अभियान में कुल 31 नक्सली ढेर किए गए। इस दौरान वे वीरगति को प्राप्त हुए।

स्मारक कार्यक्रम में शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बालोद पुलिस की ओर से शहीद के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया गया।

इस दौरान स्ज्ञस्त्र बघेरा से एडिशनल एसपी श्री आकाश शुक्ला (IPS), डीएसपी श्री यादराम बघेल, डीएसपी श्री सतीश ध्रुवे एवं बालोद पुलिस से डीएसपी श्री राजेश बागड़े, डीएसपी श्री बोनिफास एक्का तथा पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी कर्मचारी समेत ग्रामीणजन उपस्थित हुए।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26